CNews सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-36
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

खुशी के लिए काम करेंगे तो खुशी नहीं मिलेगी, लेकिन खुश होकर काम करेंगे तो खुशी के साथ ही सफलता भी मिलेगी।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 12 मई 2025

बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

आईडीसीएस इंडिया बैंक का भंडाफोड़, ग्राहकों की लाखों रुपए की एफडी गई पानी में

इंदौर समेत पांच जिलों में चल रहा था फर्जी बैंक, दो गिरफ्तार

अनूपपुर/ इंदौर। पुलिस ने फर्जी बैंक बनाकर करोड़ों रुपए की ठगी के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने इंदौर और अनूपपुर समेत पांच जिलों में फर्जी बैंक खोलते हुए लोगों को 25 से 30 प्रतिशत ब्याज का झांसा देकर डेढ़ करोड़ रुपये बैंक खातों में जमा कराए और फिर एक दिन बैंक को बंद कर फरार हो गए। मामले की शिकायत पीड़ित उपभोक्ताओं ने जब पुलिस के पास की तो जांच में पुलिस भी हैरान रह गई, क्योंकि जिस नाम से बैंक का संचालन किया जा रहा था, ऐसी कोई बैंक थी ही नहीं। आरोपियों ने आईडीसीएस इंडिया नाम से ग्राहकों से अपनी फर्जी बैंक में फिक्स डिपाजिट कराए थे और लोन दिलाने का झांसा दिया था। यह फर्जी बैंक इंदौर,अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में खोला था। यहां ग्राहकों से लाखों रुपए की फिक्स डिपाजिट कराई गई। फरियादी अभिजीत सिंह पिता चारधाम सिंह उम्र करीब 32 साल निवासी वार्ड नंबर 14 पुरानी बस्ती अनूपपुर ने कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि तहसील कार्यालय के पास गिरधारीलाल सोनी के किराये के भवन में खोली गई आईडीसीएस इंडिया नाम की बैक के ब्रांच मैनेजर दीपक उपाध्याय एवं सीईओ योगेश श्रीवास ने जमा राशि पर 6 प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज देने का झांसा देकर 3 दिसंबर 2024 को एक लाख रुपए की फिक्स डिपाजिट कराई और बांड लेटर दिया। पिछले तीन माह से कंपनी का ऑफिस बंद है एवं ब्याज राशि भी मिलना बंद हो चुकी है। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध दर्ज कर गठित पुलिस टीम ने बैंक के अनूपपुर कार्यालय को सीलबंद कर दिया गया। साथ ही मंडला पहुंचकर कंपनी के मालिक एवं सीईओ योगेश श्रीवास पिता कन्हैयालाल श्रीवास उम्र 22 वर्ष निवासी महराजपुर जिला मंडला एवं ब्रांच मैनेजर दीपक उपाध्याय पिता चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय उम्र 28 वर्ष निवासी भुआ बिछिया जिला मंडला को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही बैंक संचालन के लिए मकान किराए से देने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भी अपराध दर्ज किया गया है।

जब्त किए गए बैंक से संबंधित दस्तावेज कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने सीलबंद किए गए आईडीसीएस इंडिया के कार्यालय की तलाशी में एफडी एवं लोन के कई दस्तावेज, 5 स्मार्ट फोन, लैपटॉप, 2 प्रिंटर, बैंक चेक, स्टेट बैंक आफ मॉरिसस के फर्जी तैयार बैकिंग फार्म विभिन्न बिल, स्टेशनरी सामान जब्त किया गया। अभी तक की विवेचना में 81 निवेशको से कुल 1 करोड़ 51 लाख रुपये की धोखाधड़ी की जानकारी मिली है।

लग्जरी कार समेत अन्य संपत्तियां जब्त की जाएंगी मुख्य आरोपी योगेश श्रीवास ने निवेशकों की गाढी कमाई से प्राप्त धनराशि से 20 लाख रुपये की महंगी लक्जरी कार, साढ़े तीन लाख रुपये की मोटर सायकल, पांच लाख रुपये के सोने के जेवरात, मंडला में 50 लाख रुपये का आवासीय प्लाट खरीद चुका है। उसे पुलिस जब्त करने की कार्रवाई में जुटी है। पुलिस ने आरोपियों के सभी बैंक खाते सीज करा दिए हैं।

53 लोगों को नौकरी पर रखा, वेतन भी नहीं दिया आरोपियों ने फर्जी बैंक का संचालन पांच जिलों में प्रारंभ किया और यहां बैंक स्टाफ के रूप में 53 लोगों की नियुक्ति की। इनकी नियुक्ति के वक्त उन्हें यह नहीं बताया गया कि यह बैंक फर्जी है।

16 मई से फिर शुरू हो सकता है आईपीएल, फाइनल 30 मई या 1 जून को

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 एक बार फिर से शुरू होने वाला है। कुछ रिपोर्ट्स में सामने आया है कि आईपीएल को 16 मई तक शुरू किया जा सकता है। फाइनल मैच 30 मई या 1 जून को होने की उम्मीद है। बीसीसीआई के सूत्रों ने बताया कि बाकी मैच अलग-अलग जगहों पर खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच से होगी। टीमों ने अपने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को वापस बुलाना शुरू कर दिया है। लखनऊ का एकाना स्टेडियम मैच के लिए तैयार हो रहा है। लखनऊ की टीम 13 मई तक इकट्ठा हो जाएगी। हैदराबाद में क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर होने की संभावना है। कोलकाता में क्वालिफायर 2 और फाइनल हो सकता है। अगर मौसम खराब रहा, तो फाइनल को अहमदाबाद में शिफ्ट किया जा सकता है। बीसीसीआई जल्द ही नया शेड्यूल जारी करेगा। पहले, 9 मई को, बीसीसीआई ने आईपीएल को एक हफ्ते के लिए टाल दिया था। यह फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण लिया गया था। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मैच भी बीच में ही रोक दिया गया था। अब खबर है कि आईपीएल 16 मई से फिर शुरू होगा। सभी टीमें अपने खिलाड़ियों को वापस बुला रही हैं। बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी ने यह जानकारी दी। फाइनल मैच 30 मई या 1 जून को हो सकता है। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया कि आईपीएल के बाकी मैच अलग-अलग जगहों पर होंगे। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया कि हमने सभी लोगों को इस बारे में बता दिया है। टीमें अपने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को वापस बुला रही हैं। एकाना स्टेडियम मैच के लिए तैयार हो रहा है। लखनऊ की टीम 13 मई तक आ जाएगी।

जनगणना में जातिगत गणना के लिए कानून में बदलाव की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। जाति आधारित जनगणना को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच सरकारी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इस प्रक्रिया के लिए 70 साल पुराने जनगणना कानून में किसी तरह के बदलाव की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने बताया कि 1948 में बना यह कानून, जिसे आखिरी बार 1994 में संशोधित किया गया था, केंद्र सरकार को जनगणना फॉर्म में शामिल किसी भी प्रकार की जानकारी मांगने की अनुमति देता है। ब्रिटिश शासनकाल में 1881 से लेकर 1931 तक की जनगणनाओं में सभी जातियों की गिनती की जाती थी। लेकिन आजादी के बाद 1951 में पहली बार हुई जनगणना के दौरान, सरकार ने केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों की गिनती का निर्णय लिया, जबकि अन्य जातियों की गणना नहीं की गई। 1961 में केंद्र सरकार ने राज्यों को अनुमति दी कि यदि वे चाहें तो अपनी-अपनी ओबीसी सूची तैयार करने के लिए स्वतंत्र रूप से जाति आधारित सर्वेक्षण कर सकते हैं। अब, छह दशकों से अधिक समय बाद, विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों की मांगो को देखते हुए केंद्र सरकार ने अगले राष्ट्रीय जनगणना कार्यक्रम में जाति आधारित गणना को शामिल करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने जनगणना अधिनियम की धारा 8 का हवाला देते हुए बताया कि जनगणना अधिकारी ऐसे सभी प्रश्न पूछ सकता है जिनके लिए उसे निर्देशित किया गया हो और नागरिकों को उन प्रश्नों का उत्तर देना कानूनी रूप से अनिवार्य है, जब तक कि उनके पास इसके लिए कोई वैध अपवाद न हो। हालांकि, किसी महिला से उसके पति या दिवंगत पति का नाम बताने की बाध्यता नहीं है, और न ही किसी महिला को उन नामों का खुलासा करना होगा जिन्हें वह सामाजिक रिवाजों के अनुसार नहीं बताना चाहती। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि जनगणना के दौरान दी गई कोई भी जानकारी गोपनीय होती है और उसे किसी के खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

जस्टिस बीआर गवई पहले बौद्ध जो चीफ जस्टिस बनेंगे, कल लेंगे शपथ

नई दिल्ली। जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि वे पहले बौद्ध होंगे जो चीफ जस्टिस बनेंगे। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि यह भी संयोग की बात है कि बुद्ध पूर्णिमा के अगले दिन ही वे शपथ ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर वे इंद्रप्रस्थ पार्क स्थित शांति स्तूप जाएंगे और प्रार्थना करेंगे। भारत के भावी चीफ जस्टिस बीआर गवई ने पहलगाम आतंकी हमले पर कहा है कि जब देश संकट में हो, तो सुप्रीम कोर्ट उससे अलग नहीं रह सकता और हम भी इस देश का हिस्सा हैं। रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने यह बात कही। मीडिया से बातचीत में जस्टिस गवई ने कहा कि देश जब संकट में होता है, तब सुप्रीम कोर्ट अलग-थलग नहीं रह सकता, हम भी देश का हिस्सा हैं । यह बात भारत के भावी प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने रविवार को पहलगाम आतंकी हमले पर पूछे गए सवाल पर कही, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि जब हमें इस घटना के बारे में पता चला, तो हम स्तब्ध रह गए। चूंकि चीफ जस्टिस देश में नहीं थे, इसलिए उनकी अनुमति लेने के बाद मैंने पूर्ण न्यायालय (फुल कोर्ट) की बैठक बुलाई। बैठक के बाद, हमने तुरंत हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखने की घोषणा की। यह पहली बार था जब सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और पीड़ितों की याद में मौन रखा। परंपरागत रूप से सर्वोच्च न्यायालय हर वर्ष 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन रखता है। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि युद्ध से किसी को लाभ नहीं होता, संघर्षविराम अच्छा होता है। उन्होंने रूस और यूक्रेन तथा इजराइल और गाजा के बीच चल रहे युद्धों का उदाहरण देते हुए कहा कि युद्ध के क्या विनाश होते हैं, हम देख ही चुके है। तीन साल से हम यूक्रेन युद्ध देख रहे हैं। पचास हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। गाजा के संघर्ष में इससे भी अधिक हताहत हुए हैं। एक देश का नागरिक होने के नाते सभी चिंतित होते हैं। जो भी होता है, वह सबके साथ होता है।

70 ग्राम एमडी ड्रग और 5 किलो गांजे के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने शनिवार रात लसूडिया इलाके में 70 ग्राम एमडी ड्रग और 5 किलो गांजे के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कार से स्कीम नंबर 140 की ओर जा रहे थे, तभी मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में अन्नू चौहान, अमन सिंह और सौरभ सिंह- तीनों निवासी पीथमपुर हैं और ऑटो चलाने का काम करते हैं। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी खुद भी नशा करते हैं और जल्दी पैसा कमाने के लिए नशे का धंधा शुरू कर दिया था। वे एमडी ड्रग और गांजा सस्ते में खरीदते थे और टोकन बनाकर महंगे दामों पर बेचते थे। फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि वे यह नशा किससे और कहां से लाकर बेचते थे। पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। क्राइम ब्रांच ने दूसरी कार्रवाई में रतलाम निवासी आकाश उर्फ लखन चौहान को पकड़ा है। उसके पास से अलग-अलग कंपनियों की कुल 22 सिम कार्ड बरामद हुई हैं, जो कि दूसरे लोगों के नाम पर एक्टिवेट की गई थीं। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह खुद को पीएसओ एजेंट बताकर कई महीनों से यह काम कर रहा था।

वरिष्ठ डॉक्टर्स ने पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों और इंटरनल ब्लीडिंग पर की चर्चा

भोपाल। राजधानी भोपाल के कोर्टयार्ड, डीबी मॉल में रविवार को गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट की राष्ट्रीय मीट आयोजित की गई। इस दौरान देशभर से आए वरिष्ठ डॉक्टर्स ने पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों, इंटरनल ब्लीडिंग और ऑर्गन ट्रांसप्लांट की आधुनिक तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। मेदांता मेडिसिटी, गुरुग्राम से आए डॉ. राजेश पुरी ने बताया कि इस आयोजन के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. संजय हैं, जो हर वर्ष यह कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इस बार की मीट में इंटरनल ब्लीडिंग विषय पर डॉक्टर्स ने वीडियो और प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए। भुवनेश्वर से आए वरिष्ठ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. एस.के. आचार्य ने कहा कि अब लगभग हर पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारी का इलाज संभव है। भारत ऑर्गन ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे सफल देश है। देश में ट्रांसप्लांट करवाने वाले 75-80त्न मरीज 10-15 वर्षों तक स्वस्थ जीवन जीते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आधुनिक तकनीकों की मदद से ट्रांसप्लांट के बाद होने वाली जटिलताओं का इलाज भी संभव हो चुका है। डॉ. आचार्य ने कहा कि लोगों के बीच पाचन से जुड़ी कई भ्रामक अवधारणाएं हैं, जैसे नाभी का हटना या गैस का सिर में चढ़ना, जबकि इनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। उन्होंने बताया कि फैट केवल लिवर में ही नहीं, बल्कि दिल और शरीर के अन्य हिस्सों में भी जमा हो सकता है।

संघर्ष विराम के बाद अब शांति- सीमा से लगे जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और पंजाब मे हालात सामान्य, इस बीच भारत की तीनों सेनोओं ने पाकिस्तान के खिलाफ की गई अपनी कार्रवाइयों के बारे में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी, सेना ने तबाह किए आतंकी ठिकानों की तस्वीरें भी साझा की

पड़ोसी को दिया बड़ा जख्म, मारे गए पाकिस्तानी 40 जवान

नई दिल्ली। पाकिस्तान में आतंकियों के खिलाफ लॉन्च किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में भारतीय सेना ने रविवार को विस्तार से जानकारी दी। साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की जानकारी दी। सेना ने बताया कि एलओसी पर जो पाकिस्तान ने पिछले दिनों भारी गोलीबारी की, उसमें उनके 40 जवानों की मौत हो गई, जबकि भारत के भी पांच जवान शहीद हुए हैं। सेना ने साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के सभी पायलट सुरक्षित हैं। पाकिस्तान को आगाह करते हुए सेना ने कहा कि अगर पाकिस्तान अब भी सीजफायर का उल्लंघन करता है तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि कुछ हवाई क्षेत्रों पर हवा से बार-बार हमले हुए। सभी को विफल कर दिया गया। 7 से 10 मई के बीच नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तोपखाने और छोटे हथियारों से गोलीबारी में पाकिस्तानी सेना के लगभग 35 से 40 जवान मारे गए हैं। वहीं, जब यह पूछा गया कि भारत ने ऑपरेशन के दौरान कितने पाकिस्तानी विमान मार गिराए गए, एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि उनके विमानों को हमारी सीमा में घुसने से रोका गया...निश्चित रूप से, हमने कुछ विमान मार गिराए हैं। निश्चित रूप से, उनकी तरफ नुकसान हुआ है, जो हमने पहुंचाया है। सेना ने कहा कि सात मई को हमारा उद्देश्य आतंकवादियों और उनके बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना था, किसी अन्य बुनियादी ढांचे को नहीं, खास तौर पर पाकिस्तानी नागरिक या सैन्य प्रतिष्ठानों को नहीं, और हमने इसे सटीकता के साथ हासिल किया। हालांकि, 7 मई की शाम को, हम पर पाकिस्तानी मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) और छोटे ड्रोनों से हमला किया गया, जिसने हमारे नागरिक और सैन्य दोनों क्षेत्रों को निशाना बनाया। उन्हें सफलतापूर्वक रोक दिया गया। हालांकि तीन ड्रोन लैंड करने में कामयाब रहे, लेकिन उन्होंने कम से कम नुकसान पहुंचाया। सेना ने आगे बताया कि यहां मुख्य अंतर यह है कि हमने आतंकवादियों को निशाना बनाया, जबकि पाकिस्तानी प्रतिक्रिया ने हमारे नागरिकों और सैन्य बुनियादी ढांचे पर केंद्रित किया। यह एक ऐसा कदम था जिसके लिए जवाबी कार्रवाई की जरूरत थी। जवाबी कार्रवाई में, हमने लाहौर के पास और गुजरांवाला के करीब रडार प्रतिष्ठानों पर हमला किया। फिर भी, हम इस बात पर जोर देना चाहते हैं कि तनाव बढ़ाना हमारा लक्ष्य नहीं है। हमारा संघर्ष आतंकवादियों से है, पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान से नहीं।

जो हुआ, वो किसी युद्ध से कम नहीं था, आर्मी को खुली छूट प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब जनरल घई से पूछा गया कि क्या वह युद्ध जैसी स्थिति थी, तो उन्होंने दो टूक कहा, 'जो हुआ, वो किसी युद्ध से कम नहीं था। सामान्य हालात में हवाई हमले, ड्रोन अटैक और गोलीबारी नहीं होती। ऐसे में ये कहना मुश्किल है कि आगे क्या होगा। लेकिन हमारे सीडीएस ने आर्मी को पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की खुली छूट दी है। उन्होंने खुलासा किया कि 7 से 10 मई के बीच पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर तोपखाने और छोटे हथियारों से हमले किए, जिसमें उसके 35-40 जवान मारे गए। भारत ने इन हमलों को नाकाम करते हुए पाकिस्तान के कई एयरबेस और सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया।

जघन्य अपराधों के मास्टरमाइंड मारे गए लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने खुलासा किया कि भारत ने सोच-समझकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें से कई डर के मारे पहले ही खाली हो चुके थे। इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा आतंकवादी ढेर किए गए, जिनमें मुदस्सर खास, हाफिज जमील और यूसुफ अजहर जैसे हाई-वैल्यू टारगेट शामिल थे। ये आतंकी आईसी 814 अपहरण और पुलवामा हमले जैसे जघन्य अपराधों के मास्टरमाइंड थे। जनरल घई ने कहा कि हमारा मकसद साफ था—आतंक के नेटवर्क को जड़ से उखाड़ना।

सीजफायर का उल्लंघन पाकिस्तान की धोखेबाजी जनरल घई ने बताया कि 10 मई को दोपहर 15.35 बजे पाकिस्तानी डीजीएमओ के साथ हॉटलाइन पर बातचीत हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने शाम 5 बजे से गोलीबारी और हवाई घुसपैठ रोकने पर सहमति जताई। लेकिन पाकिस्तान ने अपनी धोखेबाज प्रकृति दिखाते हुए कुछ ही घंटों में इस समझौते का उल्लंघन कर दिया। रात और तड़के ड्रोन घुसपैठ और गोलीबारी की घटनाएं सामनेआईं। भारत ने इसका कड़ा जवाब दिया और रविवार सुबह एक और हॉटलाइन संदेश भेजकर पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर दोबारा ऐसा हुआ, तो उसे और भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। जनरल घई ने साफ कहा कि पाकिस्तान की हर हरकत का जवाब देने के लिए हमारी सेना सीडीएस और सेना प्रमुख ने पूरी छूट दी है। हम किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार हैं।

फुटपाथ पर सो रहे मजदूर की हत्या, लूट के लिए सिर कुचलकर मार डाला

इंदौर। इंदौर के नंदलालपुरा इलाके में शनिवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां फुटपाथ पर सो रहे एक मजदूर की पत्थर मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय नारायण पांचाल के रूप में हुई है, जो मूल रूप से भोपाल का निवासी था लेकिन वर्षों से इंदौर में रहकर हम्माली का काम करता था। यह घटना नंदलालपुरा सब्जी मंडी के पास घटी, जहां नारायण एक दुकान के बाहर फुटपाथ पर सोया हुआ था। रात करीब तीन बजे एक अज्ञात बदमाश वहां पहुंचा और नारायण की जेब से पैसे निकालने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी ने इंटरलॉकिंग टाइल से उसके सिर पर जोरदार वार किया, जिससे नारायण की मौके पर ही मौत हो गई।

मामले की जानकारी सुबह राहगीरों को तब लगी जब उन्होंने खून से लथपथ शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। एमजी रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आसपास की दुकानों से जुटाए गए सीसीटीवी फुटेज में आरोपी दिखाई दिया है। पुलिस को ह्यशांति प्रतिष्ठानह्व नामक दुकान के बाहर लगे कैमरों से अहम सुराग मिला है। जांच में सामने आया कि आरोपी की पहचान देव के रूप में हुई है, जो धुलिया का निवासी है और नशे का आदी है। पुलिस के अनुसार वह इलाके में चोरी और छीना-झपटी की घटनाओं में शामिल रहता है। फिलहाल उसे हिरासत में लिया गया है, लेकिन आधिकारिक रूप से गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की गई है।

दुकान की करता था रखवाली नारायण पांचाल वर्षों से इंदौर में रह रहा था और घटना स्थल पर स्थित दुकान की रखवाली करता था। वह उसी दुकान के बाहर फुटपाथ पर सोता था जहां उसका शव मिला। आसपास के दुकानदारों ने बताया कि वे सुबह 10 बजे के बाद दुकानें खोलते हैं, इसलिए रात की घटना के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। नारायण भोपाल का मूल निवासी था, लेकिन घटना के बाद अभी तक कोई भी परिजन शव लेने नहीं पहुंचा है। शव को मचुर्री में रखा गया है और पुलिस उसके परिवार से संपर्क साधने की कोशिश कर रही है।

मृतक के पास थे तीन हजार रुपए एसीपी विनोद दीक्षित के अनुसार, नारायण पूर्व पार्षद नंदू की दुकान पर काम करता था और उसे शनिवार को दुकान से सप्ताह का वेतन मिला था, जो लगभग तीन हजार रुपए था। पुलिस को संदेह है कि आरोपी ने इन्हीं पैसों के लिए उसकी हत्या की है। डीसीपी हंसराज जैन ने बताया कि सिर पर पत्थर लगने से नारायण की मौके पर ही मौत हो गई थी। मामले में कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और पीएम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी।

बैन हुए तुर्किये-अजरबैजान टूर, पाकिस्तान का समर्थन करना पड़ेगा भारी

इंदौर। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई) ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। संगठन ने तुर्किये और अजरबैजान की ट्रैवल बुकिंग तत्काल प्रभाव से बंद कर दी है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि देशभर के 3,500 से अधिक सदस्य ट्रैवल एजेंट्स ने इन दोनों देशों की बुकिंग और प्रमोशन पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही सरकार को पत्र लिखकर मांग की गई है कि तुर्किये और अजरबैजान के खिलाफ कड़ी एडवाइजरी जारी की जाए। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि इन दोनों देशों ने भारत-पाक संघर्ष की स्थिति में खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हमेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि तुर्किये और अजरबैजान ने पाकिस्तान के आतंकवाद का समर्थन किया है, जिससे नाराज होकर दोनों देशों की बुकिंग और प्रमोशन पूरी तरह से रोक दिए गए हैं। इन सेक्टर्स के लिए आने वाले पर्यटकों को भी बुकिंग न कराने की सलाह दी जा रही है। इंदौर के ट्रैवल एजेंट प्रदीप काले ने बताया कि इस समय तुर्किये और अजरबैजान की यात्रा का सर्वश्रेष्ठ समय होता है, इसलिए लगभग 1 से डेढ़ महीने पहले ही बड़ी संख्या में बुकिंग हो चुकी थीं। लेकिन अब इन देशों के पाकिस्तान को समर्थन देने के बाद पर्यटक अपने टूर कैंसिल कर अन्य डेस्टिनेशनों की बुकिंग करा रहे हैं।

तुर्किये और अजरबैजान को बड़ा आर्थिक नुकसान जादौन के अनुसार, एसोसिएशन के देशभर में 3,500 से ज्यादा सदस्य हैं, जिनमें से मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के 250 से अधिक ट्रैवल एजेंट्स ने इन देशों की बुकिंग रोक दी है। 2024 में भारत से करीब 2.75 लाख लोग तुर्किये और 2.50 लाख से ज्यादा अजरबैजान गए थे। तुर्किये के लिए प्रति व्यक्ति औसत पैकेज 1 से 1.5 लाख रुपये और अजरबैजान के लिए 80 हजार से 1.25 लाख रुपये तक का होता है। इससे तुर्किये को लगभग 2,750 करोड़ रुपये और अजरबैजान को 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का टूरिज्म से फायदा हुआ था, जो अब पूरी तरह प्रभावित होगा।

जॉर्जिया बना नया विकल्प तुर्किये और अजरबैजान की जगह अब भारतीय पर्यटक जॉर्जिया को नया विकल्प बना रहे हैं। ट्रैवल एजेंट्स के अनुसार जॉर्जिया, थाइलैंड, यूरोप और वियतनाम की बुकिंग में तेजी आई है। जॉर्जिया यूरोप की सीमा पर स्थित है और वहां अटलांटा इतिहास केंद्र, फॉक्स थिएटर, फोर्सिथ पार्क जैसी कई पर्यटक स्थल हैं। ईज माई ट्रिप के निशांत पिट्टी ने एक्स पर लिखा कि ट्रैवल एक शक्तिशाली टूल है और इसका उपयोग केवल उन देशों के लिए होना चाहिए जो हमारे साथ खड़े हों। इंदौर के ट्रैवल एजेंट्स और ट्रैवोमिंट जैसी ऑनलाइन कंपनियों ने भी इन दोनों देशों की बुकिंग सस्पेंड कर दी है और मौजूदा बुकिंग पर कोई कैंसिलेशन शुल्क नहीं लिया जा रहा है। ट्रैवोमिंट के सीईओ आलोक के सिंह ने कहा कि आपातकाल की स्थिति में फ्लाइट बुकिंग की सुविधा बनी रहेगी, लेकिन सामान्य ट्रैवल पैकेज अब उपलब्ध नहीं रहेंगे।

रुकी 11 जोड़ों की शादियां, पाकिस्तान को कोस रहे वर-वधू और परिजन

इंदौर। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की ग्यारह युवतियों के नि:शुल्क सामूहिक विवाह की सारी तैयारियां उस समय धराशायी हो गईं, जब प्रशासन से आयोजन की अनुमति नहीं मिली। साईं भक्तों द्वारा इस आयोजन की योजना बनाई गई थी, जिसमें दूल्हा-दुल्हन बनने वाले युवक-युवतियों और उनके परिजन बेहद उत्साहित थे। लेकिन अब इनकी खुशियों पर विराम लग गया है। आयोजकों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से वे आर्थिक रूप से कमजोर युवतियों का निन्शुल्क विवाह कराते आ रहे हैं और इस वर्ष 17 मई को इसी परंपरा के तहत विवाह आयोजन तय था। विवाह कार्ड छप चुके थे, दुल्हनों के जोड़े, आभूषण, घरेलू सामान सहित सारी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं ।मीडिया में खबर आने के बाद आयोजकों को पता चला कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के कारण प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है। इस खबर को पढ़ते ही साईं श्रद्धा समिति के अनिल परिहार, नीलेश राठौर और दीपू मिश्रा अनुमति लेने एरोड्रम पुलिस स्टेशन पहुंचे। पुलिस स्टेशन पर अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया कि उनके पास अनुमति देने का अधिकार नहीं है और उन्हें एसीपी कार्यालय भेज दिया गया। जब आयोजक एसीपी से मिले, तो उन्होंने जिला प्रशासन के आदेशों का हवाला देते हुए अनुमति देने से इंकार कर दिया, जिससे आयोजन अधर में लटक गया।

दिन में आयोजन होने पर भी प्रशासन टस से मस नहीं आयोजकों ने एसीपी को बताया कि विवाह समारोह केवल दिन में आयोजित किया जाना था। सुबह से शुरू होकर दोपहर में बारात निकलेगी और शाम तक विदाई हो जाएगी। यह कोई रात्रि आयोजन नहीं है, जिससे शांति व्यवस्था पर असर पड़े। बावजूद इसके, पुलिस प्रशासन ने अनुमति देने से साफ मना कर दिया। आयोजकों ने बार-बार मिन्नतें कीं, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के कारण वे हैरान और निराश हो गए।

टूटे सपने, अधूरे अरमान; पाकिस्तान पर गुस्सा फूटा अंततः आयोजकों को विवश होकर सामूहिक विवाह का आयोजन रद्द करना पड़ा। इस निर्णय से जहां शादी के जोड़े पहनने की तैयारी कर रहीं युवतियों के सपने टूट गए, वहीं वर-वधू पक्ष के परिजनों के भी सभी अरमान अधूरे रह गए। साईं भक्तों और परिजनों ने इस पूरी स्थिति के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराते हुए गुस्सा जाहिर किया। आयोजकों ने बताया कि यह उनका पांचवां सामूहिक विवाह आयोजन था, और अब तक 44 युवतियों का विवाह कराया जा चुका है, लेकिन इस बार की असफलता से वे बेहद आहत हैं।

रेती मंडी मालवीय चौराहे पर बन रहे ओवरब्रिज के नाम का मामला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिला ब्राह्मण समाज का प्रतिनिधिमंडल

इंदौर। भारत रत्न महामना पं.मदनमोहन मालवीय ओवरब्रिज संघर्ष समिति और समस्त ब्राह्मण समाज का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से मिला और रेती मंडी महामना चौराहे पर बन रहे ओवरब्रिज का नाम महामना मालवीय के नाम करने की मांग की। संघर्ष समिति के पं.आदित्य उपाध्याय और पं.मयंक व्यास ने बताया कि रेती मंडी महामना मालवीय चौराहे पर निमार्णाधीन ओवरब्रिज का नाम भारत रत्न महामना पंडित मदनमोहन मालवीय के नाम करने की मांग ब्राह्मण समाज ने की है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जिस नाम से चौराहा है उसी नाम से ओवरब्रिज का भी नाम होना चाहिए ।इस चौराहे पर बरसो पहले महामना की प्रतिमा स्थापित भी की जा चुकी है और नगर निगम द्वारा इस चौराहे का नाम भी महामना के नाम से किया है। मुख्यमंत्री यादव ने ब्राह्मण समाज को सकारात्मक आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में अनूप शुक्ला , मनोहर दुबे , संजय दुबे , शेषनारायण त्रिवेदी , मनोज दुबे, पप्पी शर्मा, सहित कई समाजजन मौजूद रहे। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय , तुलसी सिलावट , सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव , विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला , नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ,एमआईसी सदस्य अभिषेक बबलू शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बढ़ रहा पारा, धूप के बीच बादलों की लुकाछुपी, ठंडी हवाएं दे रहीं राहत

इंदौर। मध्यप्रदेश में तीन साइक्लोनिक सकुर्लेशन और दो टर्फ बारिश करा रहे हैं। कुछ जिलों में धूप है तो कुछ में अभी भी बारिश जारी है। इंदौर में हालांकि आज सुबह से धूप के साथ ठंडी हवाएं चल रही हैं। मौसम खुशनुमा बना हुई है। मौसम विभाग ने प्रदेश में आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है। शनिवार को भी इंदौर में मौसम सामान्य रहा। दिनभर धूप रही और बीच बीच में बादल छाए रहे। पारे में उछाल देखा गया है और उमस भी बढ़ रही है। शनिवार को एक डिग्री पारा उछला और 35.5 पर आ गया, वहीं रात का पारा 0.8 डिग्री बढ़कर 22.6 पर आ गया। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वर्तमान में कुछ सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में मौसम बदला है। 14 मई तक हल्की बारिश गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। इसके बाद गर्मी का असर बढ़ सकता है। मई के महीने में इंदौर में भी पारा 46 डिग्री के पार पहुंच चुका है। 31 मई 1994 को इतना तापमान दर्ज किया गया था। इस महीने यहां भी मौसम में बदलाव देखने को मिलता है। इसके चलते बादल छाए रहते हैं तो बौछारें भी गिरती हैं। 2023 में पूरे महीने 3 इंच बारिश हुई थी। वर्ष 2014 से 2023 के बीच 9 साल बारिश हो चुकी है। साल 2024 में भी तेज गर्मी रही थी। अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। वहीं, बारिश का दौर भी चला था।

स्टेडियम के बाद अब बॉम्बे अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी

इंदौर। इंदौर में दो दिन पहले होलकर स्टेडियम को उड़ाने की धमकी मिली थी, वहीं अब शहर के सबसे बड़े निजी अस्पताल को बम में उड़ाने की धमकी मिली है। हालांकि जांच में पुलिस को कुछ नहीं मिला। बॉम्बे अस्पताल प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस पता कर रही है कि यह मेल किस देश से आया है ।बांबे अस्पताल के ई मेल पर शनिवार सुबह धमकी मिली कि अस्पताल में बम है। जब प्रबंधन को धमकी की जानकारी मिली,तो बांबे अस्पताल के एडमिनिस्ट्रेशन डायरेक्टर राहुल पाराशर ने लसुड़िया थाने में इसकी शिकायत की। बम निरोधक दस्ते ने मौके पर जाकर जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच में पाया कि दी गई धमकी फर्जी थी।

इस मामले में सायबर सेल भी जांच कर रही है। इंदौर में इससे पहले दो स्कूल, स्टेडियम, एयरपोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। इंदौर के एयरपोर्ट में और विमान में बम होने की धमकी साल में छह बार मिल चुकी है। इस कारण कई बार उड़ानें भी प्रभावित हुई और यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को स्टेडियम को उड़ाने की धमकी के ई मेल में तो आपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान का जिक्र भी किया गया था।

जिस नाले में हुआ था योग, अब वहां फिर गाद और बदबू

इंदौर। इंदौर में सफाई को लेकर नवाचार तो हो रहे है, लेकिन वे स्थाई नहीं रह पा रहे है। चार माह पहले नगर निगम ने लाखों रुपये खर्च कर पिलियाखाल नाले को इतना साफ कर दिया था कि वहां नगर निगम ने प्रदेश के मेयरों के साथ योग किया था। क्रिकेट खेला था। वहां महापौर परिषद बैठक करने की तैयारी थी, लेकिन तीन महीने बाद ही वह नाला अपने पुराने स्वरुप में जा पहुंचा। अब वहां गाद, दलदल है। पूरे नाले में कचरा जमा है। दो मिनट खड़े नहीं रह सकते। अब इतनी बदबू आने लगी है ।इंदौर के पंचकुईया क्षेत्र में कई प्राचीन घाट और मंदिर है। नगर निगम ने यहां के घाटों से सैकड़ों टन मलबा हटाया। नाले से गाद निकाली थी। जनवरी माह में जब मेयर पुष्य मित्र भार्गव घाट का दौरा करने पहुंचे थे तो वे घाट का बदला स्वरुप देखकर खुश हो गए थे। उन्होंने वहां पर महापौर परिषद बैठक करने का फैसला लिया था। तब इस घाट के आसपास नगर निगम ने दीवारों को अलग-अलग रंगों से पेंट किया गया। नाले में बहने वाले गंदे पानी के बहाव को एक ट्रेंच के जरिए सीमित किया गया। बाकी के हिस्से में नाला पूरी तरह सूख गया। आसपास रहने वाले लोगों को भी आश्चर्य होने लगा था कि यह घाट फिर से इतना सुंदर हो सकता है, लेकिन यह सुंदरता ज्यादा दिन नहीं टिक सकी। अब फिर वहां गाद और बदबू का साम्राज्य है ।इंदौर में मध्य प्रदेश महापौर परिषद की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें प्रदेशभर के मेयर शामिल होने के लिए इंदौर आए थे। तब मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने शहर की स्वच्छता की ब्रांडिंग के लिए पिलियाखाल नाले में सामूहिक योग का आयोजन करवाया। कुछ दिनों बाद नाले में क्रिकेट की स्पर्धा भी रखी गई। इन आयोजनों के बाद अफसरों ने फिर नाले की तरफ ध्यान नहीं दिया और अब फिर उसमे गाद भर गई।

मैंगो जत्रा में खुश हुए किसान, 90 हजार दर्जन हापुस आमों की बिक्री

इंदौर। इंदौर के ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कन वाला कुआं पर मराठी सोशल ग्रुप के सालाना आयोजन मैंगो जत्रा का रविवार को समापन हो गया। तीन दिन में करीब 90 हजार दर्जन से अधिक हापुस आम स्वाद के शौकीनों ने खरीदे। रविवार को बड़ी संख्या में लोग मैंगो जत्रा का आनंद लेने पहुंचे। किसानों के चेहरों पर भी अलग ही खुशी झलक रही थी। संस्था के सुधीर दांडेकर और राजेश शाह ने बताया कि इंदौर की स्वाद प्रेमी जनता ने जिओ टैग की विश्वसनीयता पर भरपूर भरोसा जताया और उत्साहपूर्वक प्रतिसाद दिया। तीसरे दिन भी रत्नागिरी और देवगढ़ के आम खरीदने के लिए स्वाद प्रेमी सुबह 7 बजे से ही मैंगो जत्रा में पहुंचने लगे थे। मैंगो जत्रा में कुल 90 हजार दर्जन आम इंदौरवासियों ने खरीदे, वहीं लगभग 7,500 से अधिक आम कार्यक्रम स्थल पर बने विशेष स्टॉल पर ही चखे गए।

करीब इतनी ही संख्या में आम की गुठलियां और लगभग 270 आमों के छिलकों का गीला कचरा एकत्र किया गया। इस वर्ष भी संस्था द्वारा इन गुठलियों को वन विभाग को सौंपा जाएगा और गीला कचरा नगर निगम को खाद निर्माण के लिए दिया जाएगा। सुबह 9 बजे से देर शाम तक लोगों ने मैंगो जत्रा में जमकर आमों की खरीदी की और पूरे परिवार के साथ फूड जोन का लुत्फ उठाया। इस अवसर पर विधायक गोलू शुक्ला, पार्षद सुरेश टाकलकर और पार्षद गजानंद गावड़े भी उपस्थित रहे और हापुस आम का स्वाद लिया। तृप्ति महाजन और सुमेधा बावकर ने बताया कि मैंगो जत्रा में आम से बने उत्पादों की बिक्री भी खूब हुई। जिनमें आम से बना पल्प, आम का मावा, आम का पापड़, आचार, अमचूर, मुरब्बा, कोकम, शरबत आदि की भी खूब बिक्री हुई। आयोजन स्थल पर आम खाने के लिए विशेष स्टॉल लगाया था। जिस पर भी स्वाद प्रेमियों ने आम खूब खरीदे। स्वाद प्रेमियों ने फूड स्टॉल पर भी जायको का स्वाद लिया। दर्शन जागीरदार, हर्षवर्धन लिखिते ने बताया कि रोजमर्रा के आइटम्स जैसे सुपारी चूर्ण, अचार, शर्बत, हर्बल औषधि, किचन वेयर, हर्बल पेस्ट कंट्रोल, कटलरी समान को भी खरीदा।

भोपाल समेत कई जिलों में आंधी-बारिश, अशोकनगर में हुई ओलावृष्टि

भोपाल। मध्यप्रदेश में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है। पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में तेज हवा और बारिश का दौर जारी है। रविवार 11 मई को भी कई जिलों में आंधी और बारिश हुई। दोपहर बाद मौसम बदला। इस दौरान भोपाल के कोलार इलाके समेत कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। अशोकनगर में ओलावृष्टि हुई है, खरगोन और मंदसौर चली तेज हवाओं के कारण कई घरों के टीन शेड उड़ गए। मौसम विभाग ने आगामी कुछ दिनों के लिए आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, टर्फ और तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने से मौसम में बदलाव के चलते बारिश हो रही है। कुछ दिनों से प्रदेश में तेज हवाओं और बारिश का दौर जारी है। रविवार को 1 बजे के बाद कई जिलों में मौसम बदला तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई। मंदसौर, शहडोल और अशोकनगर में जमकर पानी गिरा। अशोकनगर में आंधी के साथ एक घंटे तक हुई तेज बारिश हु, कई क्षेत्रों मेंओले भी गिरे। शनिवार को ग्वालियर, मंडला, डिंडौरी समेत कई जिलों में बारिश हुई थी। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में प्रदेश के भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल, ग्वालियर, चंबल, जबलपुर और सागर संभाग के जिलों में आंधी, बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहेगा। हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है।

मंदसौर में तेज बारिश रविवार को मंदसौर में दोपहर 1 बजे के बाद जोरदार बारिश हुई। इसके बाद धूप खिल गई। इधर, शहडोल में तेज आंधी तूफान चलने से कई घरों से छप्पर उड़ गए। यहां पानी गिरने के बाद तापमान में गिरावट देखने को मिली। अशोकनगर जिले में दोपहर के बाद मौसम बदला और आंधी के साथ बारिश हुई। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हुई। आंधी के कारण कई स्थानों पर टीन शेड उड़ गए और कुछ पेड़ उखड़ गए। यह सीजन की अब तक की सबसे तेज आंधी थी।

खरगोन में तेज बारिश, गर्मी से मिली राहत खरगोन जिले में रविवार को तेज गर्मी के बाद 3 बजे के बाद के बाद मौसम में अचानक बदल हुआ। तेज हवाओं चलने के साथ जोरदार बारिश हुई। बारिश के बाद सड़कों पर पानी भर गया। रुक-रुक कर 1 घंटे हुई तेज बारिश से लोगों को गर्मी और उमस से

राहत मिली, तापमान में 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

बारिश से तापमान में उतार-चढ़ाव कुछ दिन की बारिश के बाद तापमान में उतार-चढ़ाव जारी है। प्रदेश में दिन का तापमान फिर 40 डिग्री के पार पहुंच गया। लोगों को गर्मी ने फिर परेशान किया हुआ है, खजुराहो और दमोह सबसे गर्म शहर रहे। बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में पारा 39.1 डिग्री पर पहुंच गया। भोपाल में 37.2 डिग्री, इंदौर में 35.5 डिग्री, उज्जैन में 36.5 डिग्री और जबलपुर में 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पचमढ़ी में तापमान सबसे कम 30.2 डिग्री दर्ज किया गया।

इस बार समय से 4 दिन पहले मानसून की दस्तक संभव मानसून देश में इस बार तय समय से 4 दिन पहले पहुंच सकता है। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून 27 मई को केरल तट से टकराएगा। आमतौर पर यह 1 जून को केरल पहुंचता है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगर मानसून 27 मई को आता है तो यह 16 साल में पहली बार होगा जब यह इतनी जल्दी दस्तक देगा। 2009 में 23 मई को और 2024 में 30 मई को मानसून ने केरल में दस्तक दी थी। इसके अलावा 2018 में 29 मई को मानसून आया था। आईएमडी ने बताया कि 1 जून को केरल पहुंचने के बाद मानसून 8 जुलाई तक अन्य राज्यों को कवर करता है। 17 सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाता है।

मानसून के पहले भोपाल के नाले-नालियों में सफाई अभियान राजधानी भोपाल में तेज बारिश के दौरान अकसर नाले नालियों में साफ सफाई नहीं होने की वजह से कॉलोनी में पानी भराव जैसी स्थिति बनती है। बारिश शुरू होने के पहले सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को भोपाल शहर में नाले-नालियों की वृहद रुप से साफ-सफाई अभियान के तहत नरेला विधानसभा अतंर्गत प्रभात चौराहे पर ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण कर नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री सारंग ने कहा कि मानसून में भोपाल शहर में जलभराव की स्थिति निर्मित ना हो इसके लिए वृहद रूप से सफाई अभियान की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत भोपाल शहर के समस्त नाले-नालियों की सफाई सुनिश्चित होगी। साथ ही नालों में लोग कचरा ना डाले इसके लिए जनजागरण अभियान भी चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान भोपाल नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।मंत्री सारंग ने बताया कि इस बार मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि मानसून भोपाल में एक सप्ताह पहले प्रवेश करेगा। इसे देखते हुए भोपाल शहर के समस्त नाले नालियों की वृहद रुप से सफाई अभियान शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष मानसून पूर्व नगर निगम यह सफाई अभियान करता है, परंतु इस वर्ष हमने निर्देशित किया है कि इस कार्य की शुरूआत पहले से ही कर दी जाए। ताकि समय पर सफाई कार्य पूर्ण हो सके। जिससे भविष्य में जलभराव की स्थिति निर्मित ना हो सके।मंत्री सारंग ने कहा कि मशीनों के माध्यम से समुचित रूप से नालों की सफाई सुनिश्चित की जाएगी और इसके साथ-साथ यह भी ध्यान रखा जाए कि जिन क्षेत्रों में नाले आसपास स्थित हैं, वहां के निवासियों को सूचना दी जाएगी कि वे नालों में कचरा न डालें। इस दिशा में जन जागरण अभियान भी चलाया जाएगा ताकि नागरिकों को नालों की स्वच्छता बनाए रखने की महत्ता समझाई जा सके। उन्होंने कहा कि पॉलीथीन जैसे अपशिष्ट पदार्थ नालों में जल प्रवाह को अवरुद्ध करते हैं, जिससे जलभराव और ओवरफ्लो की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके लिए नालों के समीप कचरा निस्तारण के लिए डंप स्टेशन भी बनाए जाएंगे, जिससे कि कचरा सीधे नालों में न जाए।

हिस्ट्री शीटर बदमाश ने शादी समारोह में की फायरिंग

भोपाल। भोपाल के गोविंदपुरा थाने के हिस्ट्री शीटर बदमाश गोपाल पाटिल का एक वीडियो वॉट्सएप पर वायरल हो रहा है। वीडियो अन्ना नगर में दो से तीन दिन पहले हुई एक शादी समारोह का बताया जा रहा है। वीडियो में गोपाल नाचते हुए देसी पिस्टल से दो राउंड फायर करता है। मौके पर मौजूद लोग उस पर जमकर पैसा उड़ा रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद टीआई अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि मामले की जांच करा रहे हैं। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि वीडियो कितना पुराना और कहां का है। 16 नवंबर 2016 को गोपाल पाटिल ने गुर्गों के साथ मिलकर 23 वर्षीय दिनेश और 26 वर्षीय एम वेंकटेश पर पिस्टल से तीन फायर किए तथा जान से मारने की नीयत से दोनों युवकों पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए थे। हमला क्षेत्र में वर्चस्व बढ़ाने और पुरानी रंजिश को लेकर किया गया था। गोपाल बीते दस सालों से लगातार अन्ना नगर में सक्रिय रूप से अपराध कर रहा है। उसके खिलाफ दर्जनों मारपीट, हत्या के प्रयास, शराब तस्करी, अड़ीबाजी जैसे अपराध दर्ज हैं।

गोपाल के हमले में गोली वेंकटेश के सिर के दाहिने हिस्से को छूकर निकल गई। सिर का घाव गंभीर नहीं था, लेकिन पेट में चाकू से हुआ घाव गंभीर थे। हमलावरों ने दिनेश पर भी चाकू से हमला किया था। मामले में गोविंदपुरा पुलिस ने गोपाल, संदीप, नितिन, शुभम और रोहित पाटिल को नामजद आरोपी बनाया था।

भोपाल मंडल के निशातपुरा में पहली बार शुरू हुई नई सिग्नल प्रणाली

ऑप्टिकल फाइबर से मिलेगा सीधा कंट्रोल

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने रेल सिग्नल प्रणाली को और अधिक सुरक्षित और तेज बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की है। गौरतलब है कि भारतीय रेल में पहली बार, भोपाल मंडल के निशातपुरा यार्ड में ऐसी तकनीक शुरू की गई है, जिसमें सिग्नल ऑपरेशन अब तारों की बजाय ऑप्टिकल फाइबर के जरिए किया जाएगा। अब तक जो सिग्नल प्रणाली चल रही थी, उसमें अलग-अलग तारों के जरिए सिग्नलों को कंट्रोल किया जाता था। पर इसमें समय लगता था, और कई बार खराबी की संभावना भी रहती थी। यह नवीनतम तकनीक ऑप्टिकल फाइबर केबल पर आधारित है, जो पारंपरिक संकेत प्रणाली की तुलना में अधिक तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय मानी जा रही है। नई तकनीक में लैम्प आउटपुट मॉड्यूल नाम का एक यंत्र लगाया गया है, जो सीधे कंट्रोल रूम से सिग्नल तक ऑप्टिकल फाइबर के जरिए सिग्नल भेजता है। यह एक नई सिग्नल तकनीक है, जिसमें रेलवे ट्रैक पर लगे सिग्नल अब फाइबर लाइन से सीधा कंट्रोल होंगे। इसमें कोई भारी वायरिंग नहीं होगी, सब कुछ फाइबर के जरिए होगा, जिससे सिग्नल तेजी से और बिना रुकावट के काम करेगा। सिग्नल कभी ब्लैंक नहीं होंगे, यानी अगर एक सिग्नल गड़बड़ करे तो भी ट्रेन को सिग्नल का आस्पेक्ट दिखाई देगा। ट्रेनें ज्यादा सुरक्षित और समय पर चलेंगी। सिस्टम के साथ स्वचालित पंखा भी जुड़ा है जो जरूरत पड़ने पर खुद चालू होकर मशीन को गर्म होने से बचाता है।

अगर एक लाइन खराब हो जाए तो दूसरी फाइबर लाइन से काम चलता रहेगा यानी सिस्टम कभी नहीं रुकेगा। सिग्नल का रख-रखाव आसान और कम खर्चीला होगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि इस तकनीक की शुरूआत एस/एसएच-15 और एस/एसएच-16 नाम के दो सिग्नलों पर निशातपुरा यार्ड में की गई है। भोपाल से बीना के मध्य रेलखंड पर इस तकनीक को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। योजना के अनुसार, जून 2026 तक पूरे रेलखंड में यह उन्नत प्रणाली सक्रिय कर दी जाएगी। यह तकनीक आगे चलकर देशभर की रेलवे लाइनों को और सुरक्षित और आधुनिक बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

दिग्विजय सिंह ने सीएम डॉ. यादव को लिखा पत्र

नरवाई जलाने पर जुर्माने के बजाय किसानों को जागरूक करें

भोपाल। मध्यप्रदेश में नरवाई जलाने के बढ़ते मामलों के बीच, राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर किसानों के प्रति सहानुभूति और जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जुमार्ना वसूलने के बजाय किसानों को इस मुद्दे के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कई किसान बिना जानबूझकर नरवाई जलाने के आरोपों का सामना कर रहे हैं। सिंह ने यह भी सुझाव दिया कि गर्मी के मौसम में सूखी नरवाई में स्वत- आग लगने की संभावना को ध्यान में रखते हुए, किसानों को इस विषय में जागरूक किया जाए।विदिशा जिले में 722 किसानों पर कुल 26.46 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है और 9 किसानों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। यह जुमार्ना भूमि के आकार के आधार पर निर्धारित किया गया है। सिंह ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि जुमार्ने की बजाय किसानों में जागरूकता अभियान चलाया जाए ताकि वे इस मुद्दे को समझें और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचें।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर तीखी टिप्पणी करते हुए लिखा कि अमेरिका को भारत और पाकिस्तान के बीच 'पंचायत' करने का कोई हक नहीं है। दिग्विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि पाकिस्तान हमको मारकर चला गया और हमारे मंत्री अमेरिका जाकर रोते रहे। अगर जवाब देना था तो अमेरिका क्यों, पाकिस्तान जाओ। उन्होंने आगे लिखा, कि पाकिस्तान जिस भाषा में समझे, उसी भाषा में समझाना चाहिए- नरेंद्र मोदी, लेकिन मोदी जी की कथनी और करनी में हमेशा फर्क रहा है। यह कोई नई बात नहीं है। वहीं, दिग्विजय सिंह के इस बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि भारत ने पहलगांव आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों, एयरबेस और ड्रोन लॉन्चपैड को तबाह कर दिया। कई आतंकियों को मार गिराया गया, लेकिन दिग्विजय सिंह की आंखों पर पाकिस्तान और आतंकियों के प्रति प्रेम का पर्दा पड़ा हुआ है। यह भी कोई नई बात नहीं है।

भेल के रिटायर्ड अफसर की हत्या पर खुलासा, पत्नी ने ही रची हत्या की साजिश

भोपाल। भोपाल के पिपलानी क्षेत्र में 18 अप्रैल को भेल के रिटायर्ड अफसर जॉर्ज कुरियन की हत्या के मामले में अब चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में सामने आया कि जॉर्ज की पत्नी बिट्टी ने मकान, पेंशन और संपत्ति के लालच में पति की हत्या की साजिश अपने किराएदार रेखा सूर्यवंशी और उसके प्रेमी संजय पाठक के साथ मिलकर रची। बिट्टी ने पहले अपने पति के साथ खाना खाया, फिर उनकी आंखों में आई ड्रॉप डाली और उन्हें कहा कि वह 10 मिनट तक आंखें न खोलें। इस दौरान रेखा और संजय को बुलाकर, तीनों ने मिलकर जॉर्ज का गला गमछे से घोंट दिया। हत्या के बाद बिट्टी पांच घंटे तक शव के पास बैठी रही, क्योंकि

उसे शक था कि जॉर्ज फिर से जीवित हो सकते हैं। दरअसल, जॉर्ज अक्सर कहा करते थे कि उनके गुरु ने उन्हें ऐसा आशीर्वाद दिया है कि उनकी आकस्मिक मृत्यु के बाद वे पांच घंटे में फिर जीवित हो सकते हैं। इसी कारण बिट्टी शव के पास बैठी रही, जब तक उसे यकीन नहीं हो गया कि जॉर्ज की मौत हो चुकी है।पुलिस की पूछताछ में यह सामने आया कि बिट्टी ने जॉर्ज को खाना खाने के बाद उनकी आंखों में आई ड्रॉप डाली और उन्हें कहा कि वह 10 मिनट तक आंखें न खोलें। इस समय के दौरान रेखा और संजय घर में आए, और फिर तीनों ने मिलकर जॉर्ज का गला गमछे से घोंट दिया। पुलिस ने संजय की निशानदेही पर गमछा बरामद किया है।सूत्रों के अनुसार, जॉर्ज और रेखा सीहोर में स्थित उसकी जमीन को देखने गए थे, जहां किसी अज्ञात व्यक्ति ने जॉर्ज के सिर पर डंडा मारकर हमला किया था। हालांकि, जॉर्ज ने इस हमले के बारे में पुलिस में शिकायत नहीं की थी। पिपलानी पुलिस अब सीहोर पुलिस से इस घटना की विस्तृत जानकारी मांग रही है।

बीजेपी प्रदेश कार्यालय में नरेंद्र सलूजा की श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया

भोपाल। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का 30 अप्रैल को हार्ट अटैक से निधन हो गया था। रविवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में नरेंद्र सलूजा की श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, बीजेपी प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, ग्वालियर भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, प्रदेश प्रवक्ता डॉ हितेश बाजपेई, भोपाल भाजपा शहर अध्यक्ष रविंद्र यति और भोपाल के पत्रकार बड़ी संख्या में मौजूद रहे। श्रृद्धांजलि सभा में नरेंद्र सलूजा की पत्नी रिम्पी

सलूजा और बेटी और बेटा भी शामिल हुए।बीजेपी ऑफिस में आयोजित श्रृद्धांजलि सभा में कांग्रेस के प्रवक्ताओं अभिनव बरोलिया और फीरोज सिद्दीकी ने भी नरेन्द्र सलूजा को श्रृद्धांजलि अर्पित की। नरेंद्र सलूजा का राजनीतिक जीवन कांग्रेस से शुरू हुआ था। कॉलेज के छात्र जीवन से ही नरेंद्र सलूजा कांग्रेस में सक्रिय रहे। उन्होंने सामान्य कार्यकर्ता के रूप में राजनीतिक करियर शुरू किया था। वे शुरू से ही पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के कट्?टर समर्थक रहे। इसके बाद ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष और फिर इंदौर शहर कांग्रेस के प्रवक्ता बने। अरुण यादव जब प्रदेश अध्यक्ष बने तो उन्होंने सलूजा को संभागीय प्रवक्ता बनाया। यहां से वे कांग्रेस की प्रदेश मीडिया टीम का हिस्सा बने।वह लंबे समय तक पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के सबसे करीबी माने जाते थे। नरेंद्र सलूजा कांग्रेस के मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते थे। कांग्रेस में उन्हें कमलनाथ का सबसे विश्वस्त माना जाता था। पार्टी की रणनीतियों से लेकर मीडिया मैनेजमेंट तक में सलूजा की भूमिका अहम मानी जाती थी। लेकिन 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान एक घटना ने कमलनाथ और सलूजा के बीच के रिश्ते में गहरी दरार डाल दी।

कैंसर ठीक करने से लेकर बाल उगाने तक के नाम पर चल रहे थे अवैध क्लिनिक

भोपाल। आपने ऐसे कई क्लिनिकों के बारे में देखा और सुना होगा, जिसमें मरीजों के 100 प्रतिशत इलाज का दावा किया जाता है। कोई कैंसर ठीक करने की बात करता है। वहीं, कोई सिर में बाल उगवा देने का दावा करता है। कुछ ऐसे ही क्लिनिक राजधानी भोपाल में चल रहे थे। अब स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ऐसे दो क्लिनिक पर कार्रवाई की है। दरअसल, राजधानी भोपाल में सीएमएचओ भोपाल के निर्देश पर एक टीम ने जिले में संचालित हो रहे विभिन्न क्लिनिक की जांच की। इस दौरान 'जीना सीखो अस्पताल' और 'डॉ. बत्रा क्लिनिक' की जांच में बिना वैध अनुमति के संचालित पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि ये क्लिनिक कैंसर जैसे गंभीर रोगों के इलाज और गंजेपन में बाल उगाने के नाम पर भ्रामक दावे कर रहे थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दोनों संस्थानों को सील कर दिया है।

ज्वाइंट टीम ने की कार्रवाई सीएमएचओ डॉ प्रभाकर तिवारी ने नवभारत टाइम्स डॉट कॉम को बताया कि इसके लिए एक टीम गठित की गई थी। टीम में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज हुरमाड़े, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ रितेश रावत, ड्रग इंस्पेक्टर मनीषा गुर्जर, कार्यपालिक अधिकारी जितेंद्र चौहान और रातीबड़ पुलिस के अधिकारी शामिल थे।

बिना लाइसेंस चल रहे थे क्लिनिक टीम ने एमपी नगर स्थित डॉ बत्रा क्लिनिक और नीलबड़ क्षेत्र में स्थित शुद्धि आयुर्वेद अस्पताल का निरीक्षण किया। इंस्पेक्शन के दौरान शुद्धि आयुर्वेद अस्पताल में तीन मंजिला इमारत में बिना पंजीयन ओपीडी, आईपीडी, पंचकर्म, और फामेर्सी संचालित की जा रही थी। अस्पताल प्रबंधन ने स्वीकार किया कि उनके पास संचालन की अनुमति नहीं है। साथ ही न ही फायर एनओसी या औषधि विक्रय लाइसेंस है। वहीं, परिसर में जीना सीखो लाइफ केयर लिमिटेड के नाम से आयुर्वेदिक दवाएं रखी गई थीं।

मरीजों से हो रही थी धोखाधड़ी एमपी नगर के डॉ. बत्रा क्लिनिक में बालों के इलाज के नाम पर मरीजों से धोखाधड़ी की जा रही थी। निरीक्षण के दौरान क्लिनिक संचालन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा सके। जिसके बाद टीम ने आदेश दिए कि दस्तावेज प्रस्तुत किए बिना संचालन जारी नहीं रहेगा। सीएमएचओ ने कहा कि दोनों संस्थानों के खिलाफ मध्यप्रदेश उपचयार्गृह और रुजोपचार स्थापना अधिनियम 1973 और 1997 (संशोधित 2021) के उल्लंघन के अंतर्गत कार्रवाई की गई। सीएमएचओ कार्यालय ने आगामी आदेश तक किसी भी प्रकार की चिकित्सकीय गतिविधियों पर रोक लगा दी है।

संपादकीय

नशाखोरी में डूबती व्यवस्था का काला सच

'उसी का शहर वही मुद्दई वही मुंसिफ हमें यकीं था हमारा कसूर निकलेगा। उस आस्तीन से अश्कों को पोंछने वाले उस आस्तीन से खंजर जरूर निकलेगा'। मारूफ शायर 'अमीर कजलबास' को शायद अंदाजा नहीं था कि उनकी नज्म के ये अल्फाज मुस्तकबिल में नशाखोरी की तिजारत में मुल्लविस सुरक्षा एजेंसियों तथा खियानत में डूबे मुल्क के निजाम की दास्तान को पूरी शिद्दत से बयान करेंगे। नशाखोरी, रिश्वतखोरी व कई घोटालों के बदनुमां दाग हमारी व्यवस्थाओं के दामन पर लग चुके हैं। नशे की अवैध तिजारत से हालात इस कदर बद्तर हो चुके हैं कि नशाखोरी के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली सामाजिक संस्थाएं सुरक्षा एजेंसियों को ड्रग्स तस्करों की खबर देने में दुविधा में हैं। कहीं खुद की शिनाख्त उजागर न हो जाए, इसलिए सभ्य समाज के लोग नशे के खिलाफ जंग का हिस्सा बनने से डर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मुखबिर बनकर नशे की मुखबिरी में कहीं खुद शरीक-ए-जुर्म साबित न हो जाए, इसलिए नशे जैसी बुराई को मिटाने का हलफ उठा चुके इंकलाबी युवा खौफजदा हैं। यानी खुदगर्ज की बस्ती में एहसान गुनाह साबित हो सकता है। चूंकि सामाजिक सुरक्षा का दायित्व निभाने वाली निगाहबान निगाहें भी कातिल नशे की तलबगार बन चुकी हैं।उच्च पदों पर विराजमान कई सरकारी अधिकारी भी चिट्टे जैसे नशे के शौकीन हैं। देश के संवेदनशील इदारों की सुरक्षा की जिम्मेवारी निभाने वाले कर्मचारी हनी ट्रैप जैसे फ्रॉड में पकड़े जा रहे हैं। ताजिरात-ए-हिंद के पैरोकार भ्रष्टाचार में अपनी भागीदारी दर्ज करवा चुके हैं। प्रश्न यह है कि जब अदालत में मुलजिम खुद मुंसिफ व खुद ही मुद्दई होगा तो उसके एब-ओ-हुनर की तफ्तीश कौन करेगा सुरक्षा एजेंसियों में तैनात अहलकार जब खुद नशाखोरी की अवैध तिजारत में गिरफ्तार हो रहे हैं, ड्रग्स के अवैध कारोबार की रोकथाम करने वाली जांच एजेंसियों के मुलाजिम भी नशे के काले कारोबार में हाथ आजमा रहे हैं, तो उनके गिरेबान में हाथ कौन डालेगा मगर हमारे जम्हूरी निजाम में धरातल पर ये सब कुछ हकीकत में हो रहा है। धन कुबेर बनने की जहालत भरी ख्वाहिश ने तमाम व्यवस्थाओं को रुसवा कर दिया है। नशे का गोरखधंधा अवैध तरीके से अकूत धन कमाने का बड़ा कारोबार बन चुका है, नतीजतन अमीर बनने की हसरत में सरकारी मुलाजिम भी जानलेवा नशे के ताजिर बन रहे हैं। हिमाचल के हमसाया सूबे पंजाब को वहां की हुकूमत नशामुक्त बनाने में जुटी है। पंजाब में नशाखोरी के खिलाफ युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान में नशा तस्करों के खिलाफ बुल्डोजर एक्शन भी हो रहा है। लेकिन इसके बावजूद सूबे में नशे का जहरीला कारोबार शबाब पर है। उड़ता पंजाब में वर्दी की आड़ में नशा तस्करी के कई सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। हाल ही में महिला पुलिसकर्मी को ड्रग्स के साथ हिरासत में लिया गया है। नशा मजहब का हो, सियासी कद का हो, सरकारी पद का हो, मादक पदार्थों का हो या धन-दौलत का हो, कई रिश्तों को बेआबरू करने की कूवत रखने वाला नशा अपनी औकात जरूर दिखाता है। शायद इसीलिए कहा जाता है कि सदाकत, अखलाक, ईमानदारी व वफादारी बड़े महंगे शौक हैं। इन्हें हर कोई नहीं पाल सकता। उच्च अधिकारियों व सुरक्षाकर्मियों की नशा तस्करों से रफाकत पशेमानी का विषय है। नशाखोरी जैसी मशकूक गतिविधियों में सुरक्षा एजेंसियों के अहलकारों की संलिप्तता से नशे के खिलाफ चल रही मुहिम पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। नशाखोरी से लोगों की जिंदगी को जहन्नुम बनाकर नशे के सरगना करोड़ों रुपए की अवैध सल्तनत खड़ी कर चुके हैं। नशे की ओवरडोज से हो रही दर्दनाक मौतें तस्दीक करती हैं कि बेआब नशेड़ी नशे की हिरासत में ही मरहूम हो रहे हैं। कुछ पलों के लिए सुकून का एहसास कराने वाला नशा युवा वेग को जिंदगी भर के लिए मफलूज कर रहा है। जिन नामुराद लबों को हेरोइन व सिंथेटिक ड्रग्स की लज्जत लग जाए, उनका नशे के बिना रहना लगभग नामुमकिन है। नशे की इल्लत ने नशेड़ी वर्ग को जुर्म की चौखट पर पहुंचा कर गुनाहगार की कतार में खड़ा कर दिया है। नशे की तलब में कत्ल जैसी खौफनाक वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। नशे की फुरकत में भी संगीन जुर्म हो रहे हैं। ड्रग्स की अवैध तिजारत से नशे के सरगनाओं की धन-दौलत में बेहताशा इजाफा हो रहा है। मगर गुरबत व नादारी से जूझ रहे नशेड़ी वर्ग के परिवारों की आर्थिकी का तवाजुन बिगड़ चुका है। अदालतों में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमों में इजाफा हो रहा है। कानूनी शिकंजे में फंस चुके नशे के तलबगार बने कई युवाओं को बचाने के लिए अभिभावकों ने अपनी जमीन जायदाद गिरवी रख दी है। धनवान बनने की हसरत में कई मुलाजिमों ने अपना जमीर गिरवी रख दिया है। नतीजतन अंतरराष्ट्रीय सरहदों से शुरू हुई नशा सप्लाई की चेन नहीं टूट रही। ड्रग्स माफिया हर सूबे में अपना नशे का नेटवर्क कायम कर चुके हैं। विचार करें जब निगाहबान बाड़ ही चमन को उजाड़ कर विरान कर दे तो अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा। जब देश की निगाहबानी करने वाली सुरक्षा एजेंसियां नशा तस्करों की दस्त-ओ-बाजू बन जाएं तथा अहम जिम्मेवारियां निभाने वाली व्यवस्थाओं में नशे का वायरस घुसपैठ कर जाए, तो नशे का नाश कैसे होगा।

वो विदेशी पायलट, जो अपना सब कुछ भारत को देना चाहता है !

सत्य सदैव सत्य ही रहता है। वह बदलता नहीं। इसी तरह से जो असत्य या झूठ है, उसे आप कितना भी ढांकने की कोशिश करें, वह एक न एक दिन अवश्य सामने आता ही है। सत्य का अर्थ ही है 'सते हितम्' यानि सभी का कल्याण। इसलिए भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश है, जहां सबसे पहले सर्वे भवन्तु सुखिनः अर्थात् सभी सुखी रहें की मंगलकामना की गई। यही कारण है कि आज पाकिस्तान जैसे आतंकवाद को प्रश्रय देनेवाले देशों का झूठ दुनिया जान रही है और भारत को अपना भरपूर समर्थन दे रही है। इन्हीं समर्थन देनेवालों में एक नाम सामने आया है अमेरिकी वायुसेना के पूर्व पायलट डेल स्टार्क का ।

उन्होंने गत दिवस एक पोस्ट में कहा, अगर 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता है, तो वह अपना सारा पैसा भारतीयों पर लगा देंगे। जैसा कि सभी को पता है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ स्थानों पर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े आतंकी शिविरों पर सटीक हमले किए हैं और उसके बाद से लगातार भारत-पाकिस्तान को ईंट का जवाब अपने आग्नेयास्त्र रूपी पत्थरों से दे रहा है। जब शांतिवार्ता की बात करके पाकिस्तान अपने कहे से मुकरा तब भी उसे उसी कठोर भाषा में जवाब दिया गया जैसा कि एक प्रभावी और संप्रभू देश को देना चाहिए। ऐसे में स्टार्क, जिन्होंने 2000 के दशक में अफगानिस्तान में भी सेवा की है, वह जब यह लिखते हैं कि जैसा कि उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपने एक पोस्ट में लिखा, मैंने अपने करियर के दौरान भारतीय और पाकिस्तानी दोनों ही लड़ाकू पायलटों के साथ उड़ान भरी है। मैं बस इतना ही कहूंगा कि अगर यह सिलसिला जारी रहा तो मैं भारतीयों के पक्ष में ही रहूंगा।

आखिर उनकी कही, इस बात के मायने क्या हैं इसके मायने हैं कि भारत को लेकर वैश्विक छवि बहुत साफ-सुथरी है। भारत की जो वैश्विक छवि सामने से उभरती है, वह यही है कि भारत कभी किसी के साथ गलत नहीं करता। वह सदैव न्याय और सत्य के मार्ग पर सतत चल रहा है। उल्लेखनीय है कि इस अमेरिकी वायुसेना के पूर्व पायलट डेल स्टार्क का पूरा जीवन अपने देश की सेवा में गुजरा है। स्वभाविक तौर पर उसे अनेक सैन्य और सेवा मिशन में सहभागी बनने का अवसर भी मिला, जिन्हें समय-समय पर अमेरिका ने दुनिया भर में चलाया। जैसा कि ईरान, अफगानिस्तान, अफ्रकिा, सीरिया एवं अन्य देश। इन सभी में रहते हुए, आते-जाते तत्कालीन समय के दौरान दुनिया भर के लोगों एवं विशेषज्ञों से इनका मिलना हुआ। उनमें भारतीय भी रहे।

इसी प्रकार से डेल स्टार्क अमेरिका में रहनेवाले भारतीयों को भी लम्बे समय से देख रहे हैं। उनके बारे में जो आंकड़े बीच-बीच में आते हैं, उनका भी वे अध्ययन करते ही हैं। जैसा कि एक आंकड़ा यह है, हालांकि यह पिछले साल का है, जिसमें बताया गया कि अमेरिका में भारतीय समुदाय की आबादी अमेरिकी जनसंख्या का केवल 1.5 प्रतिशत हैं, फिर भी उसका अमेरिकी समाज के विभिन्न पहलुओं पर बड़ा और सकारात्मक प्रभाव जारी है। भारतीय अमेरिकी समुदाय की ओर से संचालित नवाचार (इनोवेशन) देश की अर्थव्यवस्था की निचली पंक्ति तक पहुंच रहा है और यह आर्थिक विकास के अगले चरण के लिए आधार तैयार कर रहा है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की ओर से तैयार की गई रिपोर्ट %इंडियास्पोरा इम्पैक्ट रिपोर्ट- स्मॉल कम्युनिटी एंड बिग कंट्रीब्यूशंस% भारतीय प्रवासियों के प्रभाव पर गहरा प्रकाश डालती है। जिसमें कि अमेरिका में सार्वजनिक सेवा, व्यवसाय, संस्कृति और नवाचार पर विशेष ध्यान दिया गया है।इस रिपोर्ट के अनुसार भारतीय मूल के सीईओ 16 फॉर्च्यून, 500 कंपनियों के प्रमुख हैं। ये लीडर्स सामूहिक रूप से 2.7 मिलियन अमेरिकियों को रोजगार देते हैं और लगभग एक ट्रिलियन राजस्व उत्पन्न करते हैं।

भारतीय-अमेरिकियों की स्टार्टअप जगत में महत्वपूर्ण उपस्थिति यहां साफ तौर पर दिखाई दे रही है, जिसमें कि 648 अमेरिकी यूनिकॉर्न में से 72 के सह-संस्थापक कोई न कोई भारतीय हैं। कैम्ब्रिज मोबाइल टेलीमैटिक्स और सोल्यूजेन जैसी ये कंपनियां 55,000 से ज्यादा लोगों को रोजगार देती हैं और इनकी कीमत 195 बिलियन अमरीकी डॉलर है। पेशे में यहां भारतीय अप्रत्यक्ष रूप से 11-12 मिलियन अमेरिकी नौकरियों का सृजन करते हैं। रिपलिंग और लेसवर्क जैसे स्टार्टअप तकनीक और सीरियल उद्यमियों की अनेक सफल कहानियां हैं, जिन्होंने दुनिया भर में अपने लिए एक विशेष जगह बनाई है। एक अन्य उदाहरण कैम्ब्रिज मोबाइल टेलीमैटिक्स है, जो एक कंपनी है जो अमेरिकी सड़कों पर ड्राइवरों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए लाखों उपकरणों से डेटा एकत्र करने के लिए एआई का उपयोग करती है। इनोवेसर एक सिलिकॉन वैली स्टार्टअप है जो विश्लेषणात्मक तकनीक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा डेटा का लाभ उठा रहा है और अमेरिका को स्वास्थ्य सेवा लागत में एक बिलियन डॉलर से अधिक की बचत करने में मदद कर रहा है।

दूसरी ओर भारतीय अमेरिकियों के पास अमेरिका के सभी होटलों में से लगभग 60 प्रतिशत का स्वामित्व है, जो आतिथ्य उद्योग पर उनके गहन प्रभाव का प्रमाण है। लगभग 60 प्रतिशत अमेरिकी होटल भारतीय प्रवासियों के स्वामित्व में हैं, जो आतिथ्य राजस्व में 700 बिलियन कमाते हैं और चार मिलियन नौकरियां पैदा करते हैं। इतना ही नहीं यहां रह रहे भारतीय अमेरिका के सभी आयकरों का लगभग 5-6 प्रतिशत (यानी, 250 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 300 बिलियन अमरीकी डॉलर) का भुगतान करते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में देखें तो अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से 25 प्रतिशत भारतीय हैं। भारतीय मूल के लगभग 22,000 फैकल्टी मेंबर अमेरिकी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ा रहे हैं, जो सभी फुलटाइम फैकल्टी का लगभग 2.6 प्रतिशत है। इस तरह भारत प्रतिभा के शुद्ध निर्यातक के रूप में उभरा है। यहां देखा यह जा रहा है कि आज जो अमेरिका में रिसर्च, इनोवेशन और शिक्षा जगत है, उसमें भारतीय प्रवासियों के योगदान के कारण ही सबसे अधिक प्रगति हुई है, जिसे स्वयं अमेरिकन सरकार खुलकर स्वीकार करती है।

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि योग दुनिया भर में आज स्वास्थ्य भूमिका के रूप में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, जिसमें कि अमेरिका कोई अपवाद नहीं है। यहां 2025 में हर 10 में से दो अमेरिकी नागरिक योग का अभ्यास करते आपको मिल जाते हैं। इतना ही नहीं चाहे यहां की पिछली सरकारें रही हों या वर्तमान डोनाल्ड ट्रंप की सरकार हो, इसमें भारतीय अमेरिकी सीनेटर, प्रतिनिधि और मेयर के रूप में अपनी सत्ता में और राजनीति के माध्यम से समाज सेवा में आज महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं और लोकतांत्रिक क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। पिछले दशक में ज्यादा से ज्यादा भारतीय अमेरिकी इसमें शामिल हो रहे हैं। इसी प्रकार की अनेक कहानियां आज यहां सफलता के प्रतिमान गढ़ रही हैं।

वास्तव में यह सभी कुछ इन अमेरिकी वायुसेना के पूर्व पायलट डेल स्टार्क जैसे अनेकों लोगों के सामने है, जिसमें साफ दिखाई देता है कि एक भारतीय उनके देश के विकास में अपना कितना बड़ा योगदान देता है। फिर उनके सेवा में रहते हुए जो अनुभव रहे हैं, वे उन्हें उनकी अंतरात्मा से इतना अधिक उत्साहित और प्रेरित करते हैं कि वह (भारत-पाकिस्तान) दो देशों के बीच चल रहे संघर्ष में भारत का साथ देने और उसको अपना सब कुछ दे देने के लिए तैयार हैं। वास्तव में यही भारतीयों की और भारत की विश्व व्यापी ताकत है।

कहना होगा कि डेल स्टार्क ऐसा कहने वाले आज अकेले नहीं हैं। भारत और पाकिस्तान के तनाव के बीच अमेरिकी पत्रकार और वॉल स्ट्रीट जर्नल की पूर्व रिपोर्टर आसरा नोमानी भी हैं, जिनके दोस्त पत्रकार डैनियल पर्ल का अपहरण और हत्या बहावलपुर में की थी। जिन आतंकियों ने उनके दोस्त को मारा था, भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' में उस समय के कई आतंकी मारे गए हैं। इसी प्रकार से उनके जैसे विश्व भर में अनेकों लोग हैं, जिनका जन्म भारत में नहीं हुआ, वे किसी भारतीय परिवार से नहीं, किंतु फिर भी वे मानवता के हित में भारत के समर्थन में आज खुलकर सामने आए हैं और अनेक ऐसे भी हैं जोकि अपना सब कुछ दे देना चाहते हैं।

आखिरकार अमेरिकी मीडिया क्यों अलाप रहा राफेल विरोधी राग

भारत और पाकिस्तान के बीच फिलहाल शांति है। युद्ध में हार और जीत के आकलन के बीच कुछ कहानियां राफेल की भी सुनवाई जा रही हैं। खासकर फ्रांस से प्राप्त राफेल जेट को लेकर अमेरिकी मीडिया में बहुत सारी बातें बिना सिर-पैर की हो रही हैं। पाकिस्तान ने 7 मई को यह दावा किया था कि उसने तीन राफेल समेत भारत के पांच जंगी जहाजों को गिरा दिया। पाकिस्तान अपने इन दावों के लेकर खुद ही हंसी का पात्र बना, उसके रक्षा मंत्री से एक विदेशी मीडिया ने जब पूछा कि सबूत क्या है, तो उन्होंने जवाब दिया कि सोशल मीडिया में सब चल रहा है। यही नहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपनी पार्लियामेंट में यहां तक कह दिया कि पाकिस्तान चाहता तो 12 भारतीय जेट गिरा सकता था, मेहरबानी कर के पांच ही गिराया। जिस देश के हुक्मरान इतने नादान और मूर्ख हों, उस देश का भविष्य क्या हो सकता है। अब यही मूर्खता विदेशी मीडिया के कुछ अन्य प्लेटफार्म से भी हो रही है।

द वाशिंगटन पोस्ट, द न्यूयॉर्क टाइम्स और सीएनएन चैनल जैसे बड़े मीडिया हाउस पाकिस्तान के भोपू बने हैं। वह कुछ मनगढ़ंत खबरों के जरिए अमेरिकी हित साधने की कोशिश कर रहे हैं। विश्लेषण की जरूरत है। कहीं यह अमेरिकी हथियार के सौदागरों के एजेंट तो नहीं बन रहे हैं। सीएनएन ने राफेल के गिरने की खबर पाकिस्तानी रक्षा सूत्रों से चला दी, जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने पांच भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया है, जिनमें तीन राफेल जेट, एक मिग-29 और एक सुखोई 30 फाइटर जेट शामिल हैं। अपनी खबर को पुष्ट दिखाने के लिए सीएनएन ने एक कथित अनजान फ्रांसीसी खुफिया अधिकारी का हवाला भी दे दिया, जिसने कथित रूप से यह स्वीकार किया कि भारतीय वायु सेना को दिए गए राफेल लड़ाकू विमानों में से एक को पाकिस्तान ने मार गिराया है।

रॉयटर्स ने भी दो अनजाने अमेरिकी अधिकारियों का हवाला देते हुए यह खबर चला दी कि चीन निर्मित पाकिस्तानी लड़ाकू विमान ने कम से कम दो भारतीय सैन्य विमानों को मार गिराया। इस मामले में न्यूयॉर्क टाइम्स भी पीछे नहीं रहा। इस अमेरिकी मीडिया ने भी वही अज्ञात स्त्रोत का सहारा लिया और खबर चला दी कि भारत ने कम से कम दो विमान खो दिए हैं। बस उसने राफेल का नाम नहीं लिया। वाशिंगटन पोस्ट ने तो एक फ्रांसीसी विशेषज्ञ का भी हवाला दे दिया है, जो बकौल अखबार के यह स्वीकार करता है कि भारत ने मिराज-2000 और राफेल विमान खो दिए हैं। मालूम हो कि राफेल और मिराज दोनों दोनों फ्रांसीसी हैं।

अमेरिकी मीडिया के इस रुख पर सवाल उठाना लाजिमी है कि जब अभी तक पाकिस्तान ने जहाज गिराए जाने के कोई ठोस सबूत नहीं दिए हैं और ना भारत ने इस संबंध में कोई पुष्टि की है। फिर अमेरिकी मीडिया अज्ञात स्त्रोतों का हवाला देकर इतनी बड़ी खबर क्यों चला रहा है। क्या उनके उद्देश्य कुछ और हैं? कहीं यह अमेरिकी लड़ाकू विमानों की मार्केटिंग का फंडा तो नहीं है। यह सबको खबर है कि भारत समेत कई देश इस समय लड़ाकू विमानों की खरीदारी के लिए इच्छुक हैं। दुनिया एयरोस्पेस बाजार बहुत बड़ा है और अरबों खरबों डॉलर के सौदे होने हैं। चूंकि अमेरिका भी लड़ाकू विमानों का सौदागर है और वह अपने एफ-35 जेट के लिए कई देशों में लामबंदी कर रहा है। इसलिए उसके लिए सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी फ्रांसीसी राफेल ही है। राफेल के खिलाफ खबरें उसी कंपटीशन का हिस्सा हो सकती हैं।

भारत राफेल के लिए सौदे कर चुका है। भारतीय वायुसेना को कुल 114 लड़ाकू विमान खरीदने हैं। अभी तक भारत 36 राफेल विमानों की डिलिवरी प्राप्त कर चुका है। बाकी विमान भारत को अभी और लेने हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल के गिरने की खबर चलाने के पीछे एक मकसद यही हो सकता है कि राफेल की छवि पर ही सवाल खड़ा कर दिया जाए और एफ-35 जैसे 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को प्रमोट किया जाए, ताकि इसकी मांग बढ़े। इसीलिए संभवतः अज्ञात स्त्रोतों पर आधारित खबरें चलाई और दिखाई जा रही हैं।

केवल भारत ही नहीं कई यूरोपीय देश, कनाडा और जापान भी फाइटर जेट के सौदे करने वाले हैं। ये सभी अमेरिकी हथियारों के विकल्प ढूंढ रहे हैं ।

कुछ देशों ने तो विकल्प ढूंढ भी लिए हैं। जैसे पुर्तगाल और कनाडा एफ-35 लड़ाकू विमानों के सौदे से पीछे हटने पर विचार कर रहे हैं। नवनिर्वाचित कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अपनी पहली की पहली विदेश यात्रा ही फ्रांस जाकर की। ओटावा एफ-35 के बजाय फ्रांसीसी राफेल खरीदने पर विचार कर रहा है।

भौगौलिक और कूटनीतिक कारणों से इस समय चीन और रूस के लड़ाकू विमानों के खरीदार नहीं मिल रहे हैं। चीन मुख्य रूप से पाकिस्तान को ही अपना सैन्य उत्पाद बेच रहा है। पाकिस्तान के 80 फीसदी से अधिक सैन्य साजो सामान चीन के ही बने हुए हैं। हालांकि भारत रूस का बहुत महत्वपूर्ण सामरिक पार्टनर है, लेकिन भारत नए रूसी फाइटर जेट्स खरीदने के प्रति इच्छुक नहीं है। इस समय अमेरिकी एफ 35, फ्रांसीसी राफेल और यूरोफाइटर टाइफून के बीच ही प्रमुख रूप से कंपटीशन है। इसलिए अपने बाजार के लिए ऑपरेशन सिंदूर का उपयोग अमेरिका कर सकता है। पाकिस्तान के आईएसपीआर ने 11 मई को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट रूप से कहा कि भारत का कोई भी पायलट पाकिस्तान में नहीं है। भारत के डीजीएमओ ने भी कहा कि पाकिस्तान में घुसने वाले सभी भारतीय पायलट सकुशल लौट आए, तो फिर अमेरिकी मीडिया क्यों राफेल गिरने की खबरों को प्राथमिकता दे रहा है।

मिस एशिया यूनिवर्स प्रतियोगिता में सतना की बेटी मीनाक्षी सिंह ने लहराया परचम

अब करेंगी एशिया में भारत का प्रतिनिधित्व

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ। सतना, जिले के लिए गर्व का क्षण तब आया जब सतना की बेटी मीनाक्षी सिंह ने मिस एशिया यूनिवर्स प्रतियोगिता में शानदार जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया। अब मीनाक्षी पूरे एशिया में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह ऐतिहासिक उपलब्धि शुक्रवार को, दिल्ली के एक प्रतिष्ठित होटल में आयोजित फाइनल इवेंटके दौरान दर्ज हुई।
प्रतियोगिता में देशभर से आई सुंदरियों ने भाग लिया था, लेकिन अपनी आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और प्रस्तुति से मीनाक्षी ने निर्णायकों का दिल जीत लिया। स्टेज पर उनके आत्मविश्वास और भारतीयता से भरे उत्तरों ने उन्हें सब पर भारी कर दिया।
मीनाक्षी सिंह जो कि मूलतः सतना जिले की निवासी हैं, ने मॉडलिंग और फैशन के क्षेत्र में कड़ा संघर्ष करते हुए यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने अपने जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। प्रतियोगिता में मीनाक्षी को बेस्ट कैटवॉक और ब्यूटी विद ब्रेन टाइटल भी मिले, जिससे उनके समग्र प्रदर्शन को और भी मजबूती मिली।
मीनाक्षी ने खिताब जीतने के बाद कहा,यह जीत सिर्फ मेरी नहीं, सतना और पूरे देश की है। मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और उन सभी का आभार मानती हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया। मेरा सपना है कि मैं भारत की सांस्कृतिक सुंदरता को एशिया के मंच पर गर्व से प्रस्तुत करूं।
इस उपलब्धि पर सतना में खुशी की लहर है। जिले के सामाजिक, शैक्षणिक और प्रशासनिक वर्गों ने मीनाक्षी की उपलब्धि पर बधाई दी है। सोशल मीडिया पर भी मीनाक्षी सिंह ट्रेंड कर रही हैं।
अब सबकी नजरें एशिया लेवल पर होने वाली मिस यूनिवर्स प्रतियोगितापर टिकी हैं, जहां मीनाक्षी सिंह भारत का तिरंगा थामे अपनी प्रतिभा और गरिमा से पूरी दुनिया को भारत की सुंदरता और शक्ति का अहसास कराएंगी।

कैट ने किया भामाशाह की जयंती पर सम्मान समारोह का ऐलान

व्यापारियों का किया जायेगा सम्मान

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, देश के व्यापारियों की शीर्ष संस्था कन्फ़ेडरेशन आफ आल इंडिया टेंडर्स कैट टीम सतना द्वारा व्यापारियों के आदर्श भामाशाह की जयंती पर व्यापारियों को सम्मानित करेगा। उपरोक्त निर्णय आज जय स्तंभ चौक स्थित अमर आर्केड कार्यालय में कैट के प्रदेश सचिव अशोक दौलतानी की अगुवाई में आयोजित बैठक में लिया गया । बैठक में कैट के जिलाध्यक्ष मनोहर वाधवानी व महामंत्री अभिषेक जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि अलग-अलग क्षेत्रों में म प्र में सतना का नाम रोशन करने वाले सरकार को सर्वाधिक राजस्व देने वाले व्यापारियों को व्यापारियों के आदर्श भामाशाह अवार्ड से नवाजा जाएगा। समारोह में म प्र शासन के जनप्रतिनिधि,राजस्व अधिकारियों, व्यापारियों व समाजसेवियों उघोगपतियों व प्रबुद्ध नागरिकों की उपस्थिति में भामाशाह अवार्ड से नवाजा जाएगा। इसके अलावा बैठक में अतिशीघ्र टैक्सेशन पर वर्क शॉप आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में प्रत्येक तीन माह में व्यापारिक व कैट की गतिविधियों पर अंक प्रकाशित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में उप-समितियों का भी गठन किया गया। व नये सदस्यों का परिचय दिया गया। बैठक में व्यापारिक गतिविधियों पर अशोक वाधवानी, चंद्रशेखर अग्रवाल, जितेंद्र साबनानी, महेंद्र जैन ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।
इस अवसर पर अशोक दौलतानी, चन्द्रशेखर अग्रवाल, मनोहर वाधवानी, अभिषेक जैन, अशोक वाधवानी, राजेश अग्रवाल, जितेंद्र साबनानी, महेंद्र जैन विनोद चंदानी, मनोज अग्रवाल ,राकेश गुप्ता राजकुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कार बाइक को टक्कर मारकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकराई

हादसे में तीन लोग हुए गंभीर घायल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, तेज रफ्तार कार बाइक को टक्कर मारकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव ढमौला निवासी विकास पुत्र विनोद अपने साथी अंकित पुत्र शीशपाल निवासी गांव असलमपुर बरथा कोतवाली बेहट तथा थाना मिर्जापुर के गांव मढती निवासी आदित्य पुत्र ऋषिपाल के साथ सहारनपुर से बेहट की ओर आ रहे थे। जब वह दिल्ली यमुनोत्री हाइवे पर कस्बे में स्थित आनंद बाग कॉलोनी के पास पहुंचे तो सामने से तेज गति से आ रही कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में खड़े पेड़ से टकरा गई। पेड़ से टकराने के बाद कार के एयरबैग खुल गए। जिससे कार सवार की जान बच गई जबकि बाइक सवार तीनों घायल हो गए।

मदर्स डे पर, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एवं भारत विकास परिषद ने किया सेमिनार

मां की ममता सदैव नैसर्गिक एवं अतुलनीयः डॉ राकेश

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना एवं भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वाधान में आज स्थानीय सार्थक हॉस्पिटल परिसर में मातृ शक्ति को सम्मानित करने एवं उनके उनको सदैव स्वस्थ एवं जागरूक करने हेतु एक सेमिनार का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वर्तमान कलेक्टर की धर्मपत्नी माननीया श्रीमती नमामि सोनकिया रही जिन्होंने अपने उद्बोधन में माता को स्वस्थ रहने एवं उन्हें अपने अधिकारों को प्रति सजग रहने की अपील की साथ ही गायन द्वारा मां की महिमा उद्धरित की।
कार्यक्रम की शुरुआत सभी अतिथियों द्वारा भारत माता की वंदना एवं वंदे मातरम गायन के साथ किया गया तत्पश्चात अपने अध्यक्षीय स्वागत भाषण में आई एम ए के अध्यक्ष डॉ राकेश अग्रवाल ने मातृ दिवस के उपलक्ष्य में सभी मातृ शक्ति को अभिवादन करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की और मां की महिमा बताते हुए कहा कि मां एक शब्द नहीं वह एक भावना है प्रेम, धैर्य एवं समर्पण की मूर्ति है । भारत विकास परिषद के वरिष्ठ सदस्य जितेन्द्र जैन ने परिषद की राष्ट्रीय रूपरेखा से अवगत कराया।
सतना शहर की बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति को जागरूक करने हेतु अपने व्याख्यान में सार्थक हॉस्पिटल में वरिष्ठ स्त्री रोग चिकित्सक डॉक्टर रश्मि अग्रवाल ने गर्भावस्था में सावधानी के बारे में बताया एवं जिला चिकित्सालय में पदस्थ वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विजेता राजपूत ने माता को शिशु के देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। एडवोकेट आभा अग्रवाल ने माता के कर्तव्य,अधिकार एवं सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी वही डॉक्टर प्रतिमा कुम्हारे ने माता को होने वाली विभिन्न बीमारियों की रोकथाम एवं इलाज के बारे में सरल शब्दों से समझाया साथ ही डॉक्टर सारिका कालरा ने मां को अपना जीवन मानसिक एवं शारीरिक रूप से कैसे स्वस्थ रखा जाए इसकी महत्वपूर्ण जानकारी दी।वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ हरकिरण बावा एवं डॉ प्रीति नेमा ने एक कविता गायन द्वारा मां सर्वोपरि है बताया।
कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन डॉक्टर प्रतिभा दुबे ने किया एवं आभार भारत विकास परिषद की कोषाध्यक्ष सोनिया खंडेलवाल ने किया। आई एम ए के सचिव अलोक खन्ना ने मातृशक्ति पर समापन भाषण दिया।
इस अवसर पर बड़ी संख्या में इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन एवं शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़ी मातृ शक्ति जिसमें प्रमुख रूप से मधु अग्रवाल, डॉ रेखा माहेश्वरी, डॉ मनीषा अग्रवाल, डॉ आभा पाठक , डॉ दीपमाला भतीजा, डॉ प्रीति नेमा, डॉ रेखा त्रिपाठी, डॉ नलिनी शुक्ला, डॉ सुनीता गुप्ता डॉ विपिन दुबे डॉ ललित गुप्ता डॉ सुनीता गुप्ता, डॉ प्राप्ति अग्रवाल ,डॉ रेखा पांडे ,डॉ सुनील अग्रवाल, डॉ सुमित अग्रवाल,डॉ लक्ष्मी मोहनानी, कांति जैन जी, सोनिया खंडेलवाल,मीरा अग्रवाल ,कल्पना कटारे,संध्या गांधी, रजनी जैन ,प्रीति अग्रवाल,रेखा सिंह,नीति जैन , निशा शर्मा ,मानसी तेजवानी ,अंजू कटारे, अंजू अग्रवाल,निशा शर्मा,कल्पना कटारे, वर्षा कटारे,शालिनी खन्ना,पूजा मेहरोत्रा,मधुलिका प्रसाद,प्रीति अग्रवाल मिती टंडन,कमल राजपाल,संध्या गांधी,अनुराधा अग्रवाल,अर्चना अग्रवाल,सुषमा अग्रवाल,शिल्पी अग्रवाल, डॉ आर के नेमा डॉ रेखा त्रिपाठी,दीपा श्रीवास्तव अनीता जैन,रजनी जैन,मीरा अग्रवाल के साथ साथ बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

जन कल्याण मंच ने एशिया वेट लिफ्टिंग चैंपियन में स्वर्ण एवं कांस्य पदक जीतने वाले कुणाल वर्मा को किया सम्मानित

पटका एवं प्रतीक चिन्ह किया भेंट

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। देवबंद, उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच की एक बैठक मोहल्ला कायस्थवाड़ा स्थित कार्यालय पर आयोजित हुई। जिसमें आगामी वर्ष के सदस्य बनाने पर विचार- विमर्श किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही देवबंद नगर की विभिन्न समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। बैठक में एशिया वेट लिफ्टिंग चैंपियन में स्वर्ण पदक एवं कांस्य पदक जीतने वाले कुणाल वर्मा, जिन्होंने एक ही समय में दो पदक जीते हैं, का उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच के सदस्यों द्वारा पटका एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।
बैठक की अध्यक्षता रामकला सैनी एवं संचालन हाजी हनीफ ने किया। बैठक में मंच के प्रदेश अध्यक्ष चौ. ओमपाल सिंह, विजय बजाज, सुशील जाटव, करेसण शर्मा, हरीश मलिक, सलमान अली, इस्लाम, व्हाब, शिव कुमार कश्यप, डॉक्टर कल्याण सिंह, धनराज त्यागी, सुखबीर कश्यप, मोहसिन, वाजिद अली, नरेश धीमान, श्रीमती रेखा, सुरेंद्र, बबली जाटव आदि उपस्थित रहे।

दून वैली पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया मदर्स डे

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर । देवबंद, देवबंद के दून वैली पब्लिक स्कूल में बडे ही हर्षोल्लास से मातृ दिवस मनाया गया । सर्वप्रथम विशेष प्रार्थना सभा में कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के बच्चों ने मातृ वंदना, नृत्यों व स्किट के माध्यम से माँ की महत्ता प्रदर्शित की। तत्पश्चात् कक्षा प्ले व नर्सरी की माताओं के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मातृ शक्ति के रूप में कक्षा प्ले व नर्सरी की सभी माताएँ उपस्थित रहीं।कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्रीमती शिखा सिंह, विद्यालय की मैनेजर श्रीमती सुमन सिंघल, प्रधानाचार्या डा? सीमा शर्मा, क्वालिटी डायरेक्टर श्रीमती अर्चना शर्मा एवं उप-प्रधानाचार्या श्रीमती तनुज कपिल व कोऑर्डिनेटर श्रीमती रत्ना अरोरा व श्रीमती हरजीत कौर ने माँ सरस्वती जी के चित्र के समक्ष पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्जवलन से किया।
विद्यालय परिवार के सबसे नन्हें छात्रों ने अपनी भावभीनी नृत्य प्रस्तुति से वातावरण को करतल ध्वनियों से ओत-प्रोत कर दिया। मी एंड मॉम कार्यक्रम के अंतर्गत माताओं ने अपने बच्चों के साथ मंत्रमुग्ध कर देने वाली नृत्य प्रस्तुति दी।
तत्पश्चात् सभी मदर्स ने रैंप वॉक कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया साथ ही हाथों के जरिए अपने बच्चें की पहचान बताने तथा केवल आंखें देखकर अपने बच्चों को पहचानने का प्रयास अत्यंत रोमांचक था। सभी मदर्स ने तरह-तरह मनोरंजक गेम्स में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया एवं विभिन्न रुचिकर पहेलियों व प्रश्नों के उत्तर दिये। स्कूल की प्रधानाचार्या डा. सीमा शर्मा ने सभी माताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केवल मातृ-शक्ति ही अपने बच्चों को चरित्रवान, गुणवान व विद्वान बना सकती है और इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य अपनी मातृ-शक्ति को विद्यालय परिवार की ओर से सैल्यूट है, नमन है, जो अपने नौनिहालों को संस्कारी बनाकर राष्ट्र निर्माण में अपना अभूतपूर्व योगदान देती हैं। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती राजश्री तथा अदिति वर्मा ने सफलता पूर्वक किया।

जोबट पुलिस को मिली महत्वपूर्ण सफलता

लूट एवं डकैती के मामलों में फरार 5,000 के इनामी स्थाई वारंटी आरोपी को किया गया गिरफ्तार

अलीराजपुर - आपराधिक प्रकरणों के फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास के निर्देशन में लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) जोबट नीरज नामदेव के कुशल मार्गदर्शन में थाना जोबट की टीम द्वारा एक बड़ी सफलता अर्जित की गई है।
थाना प्रभारी जोबट निरीक्षक विजय वास्कले के नेतृत्व में पांच हज़ार रुपये के इनामी व स्थाई वारंटी आरोपी भाया उर्फ कैलाश पिता कागडिया (जाति भील), निवासी मोटला फलिया, उंडारी, थाना जोबट को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। उक्त आरोपी वर्ष 2021 से फरार चल रहा था तथा इसके विरुद्ध लूट एवं डकैती के दो गंभीर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर द्वारा 5,000 के नकद इनाम की घोषणा पूर्व में की गई थी।
गिरफतार आरोपी के विरूद्ध दर्ज प्रकरणों का विवरण- प्रकरण क्रमांक 06/2019, थाना जोबट
दिनांक 02.01.2019 को फरियादी राकेश पिता मकनसिंह पाल्या, निवासी ग्राम उमरी, जिला झाबुआ, को ग्राम भीलखेड़ी, उंडारी रोड पर आरोपी एवं उसके अन्य साथियों द्वारा रोक कर मोबाइल फोन, 7000 नकद राशि, जैकेट एवं मोटरसाइकिल आदि लूट लिए गए थे। घटना पर थाना जोबट में धारा 392 भा.दं.वि. के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया। प्रकरण में आरोपी के फरार रहने पर न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी किया गया एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा 2,000 का इनाम घोषित किया गया था तथा एक अन्य प्रकरण क्रमांक 132/2021, थाना जोबट दिनांक 09.03.2021 को रात्रि में आरोपी ने अपने आठ साथियों के साथ मिलकर फरियादी राधू पिता भंगड़ा भूरिया, निवासी ग्राम नेहतड़ा, के घर में घुसकर लड़की भगाने के पुराने विवाद के चलते 8 बकरियां, नकदी एवं एक व्यक्ति का अपहरण कर लिया। इस गंभीर घटना पर थाना जोबट में धारा 397, 365 भा.दं.वि. तथा आर्म्स एक्ट की धाराएं 25 एवं 27 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। आरोपी के न्यायालय में अनुपस्थित रहने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 3,000 का इनाम घोषित किया गया था।
गिरफ्तारी में सक्रिय योगदान-आरोपी को पकड़ने की कार्रवाई में निम्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही निरीक्षक विजय वास्कले, थाना प्रभारी जोबट, उप निरीक्षक रविन्द्र प्रताप डांगी, आरक्षक मनीष, चेन सिंह एवं गजेन्द्र इन सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा की गई त्वरित व सटीक कार्यवाही अत्यंत सराहनीय है, जिसके परिणामस्वरूप लम्बे समय से फरार चल रहे एक इनामी अपराधी को गिरफतार करनें में सफलता प्राप्त हुई है।
पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने कहा अलीराजपुर पुलिस के द्वारा फरार अपराधियों की धरपकड हेतु लगातार कार्यवाही की जा रही है, इसी कडी मे थाना जोबट पुलिस टीम के द्वारा 2021 से फरार चल रहे कुख्यात इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार फरार एवं इनामी आरोपियों की धरपकड़ हेतु आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी।

मदर्स डे पर महिलाओं के साथ मारपीट की घटना अशोभनीय

रतलाम जावरा मदर्स डे पर महिलाओं के साथ मारपीट व दुर्व्यवहार की घटना सामने आना अशोभनीय तो है ही, निन्दनीय और शर्मनाक भी है। महज चंद पैसों की लेनदेन को लेकर टोलकर्मियों द्वारा टवेरा में सवार यात्रियों की बर्बरतापूर्वक पिटाई करना घोर आपत्तिजनक है। कानून को खिलौना समझकर सरेराह इस प्रकार महिलाओं, बच्चों व पुरषों को मारना टोलकर्मियों का दुस्साहस नहीं तो ओर क्या है ? वो तो घटना का वीडियो वायरल होने से प्रशासन भी हरकत में आया और गुनहगारों की धरपकड़ शुरू की गई। वरना पीड़ित लोग तो मारे डर के कुछ भी बोलने को तैयार नहीं थे। इस मामले के संज्ञान में आने पर सांसद अनिल फिरोजिया द्वारा भी पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों से चर्चा कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही टोल कम्पनी से टोल की जिम्मेदारी वापस लेने याने टोल कैंसल करने की बात भी कही। हालांकि पुलिस ने घटना के सिलसिले में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। इधर, सोशल मीडिया पर मारपीट का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। हर कोई बीच सड़क पर टोलकर्मियों की गुंडागर्दी देख स्तब्ध रह गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के गृह जिले में दिनदहाड़े हुई यह घटना टोल पर तैनात कर्मियों की दादागिरी की झलक है। मानवीय पहलू को दरकिनार कर महिलाओं के साथ इस तरह की घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए शासन से मांग की जाती है कि प्रदेश में स्थित सभी टोल नाके पर कार्यरत कर्मचारियों का वेरिफिकेशन किया जाए। पुलिस टोल पर हुए मारपीट के मामले को हल्के में नहीं लेते हुए आरोपियों के विरुद्ध गम्भीर धाराओं में प्रकरण दर्ज करें। ताकि दोषी लोगों को सबक मिल सके।

अनियंत्रित होकर खेत में ट्रेक्टर पलटा, ट्रेक्टर चालक की दबने से हुई मौत

खरगोन

कसरावद के बलकवाड़ा थाना के खलटाका पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम रामपुरा में रामपुरा से जरोली को जोड़ता हुआ नहर के मार्ग के पास, शनिवार को खेत में एक ट्रेक्टर अनियंत्रित होकर पलटी खा गया ।जिसमे ट्रेक्टर चालक राहुल देवेसिह सोलंकी उम्र 33 वर्ष साई दरबार टेंट हाउस निवासी ग्राम कठोरा दबने से गंभीर घायल हो गया था। वही घटना की सूचना परिजनों को भी दी गई। जिसे ग्रामीणों द्वारा गंभीर घायल अवस्था में ठीकरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया ।वहीयुवक के शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

खाद से भरा ट्रक पलटने से एक मजदूर की मौत

खरगोन/ कसरावद तहसील के बलकवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम टिमरनी में एक खाद से भरा ट्रक असंतुलित होकर पलट गया जिसमें एक मजदूर (हम्माल)की दबने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार खंडवा से खाद भरकर टिमरनी सोसाइटी में खाली करने आ रहा ट्रक असंतुलित होकर पलट गया। ट्रक में ड्राइवर सहित चार हम्माल सवार थे। ट्रक असंतुलित होने पर एक हम्माल ट्रक में से कूदा लेकिन ट्रक पलटने से वह उसमें दब गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव को बाहर निकालने के लिए ग्रामीण और पुलिस ने मदद की और तत्काल एक जेसीबी वाहन बुलाया गया। जिसकी सहायता से मजदूर हम्माल के शव को बाहर निकाला गया। सभी हम्माल भीकनगांव क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। घटना के बाद ड्राइवर फरार हो गया है। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

फूलमाली समाज ने उत्साह से मनाया भगवान के विवाह का उत्सव

पिपलियामंडी कार्यक्रम में हुआ समाजजनों का सम्मान

रतलाम

फूलमाली समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में भगवान सालगराम जी व माता तुलसा जी का विवाह सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में टीलाखेड़ा पिपलियामंडी में समाजजनों द्वारा हर्षोल्लास के साथ उत्सव मनाया गया। शुक्रवार को यहां धार्मिक रीति रिवाज व परम्परा अनुसार आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बड़ी तादाद में सहभागिता की। नीमच जिले के ग्राम बरुखेड़ा की धरा पर हाल ही में सम्पन्न फूलमाली समाज के 17 वें सामुहिक विवाह सम्मेलन के दसवें दिन पिपलियामंडी के फूलमाली समाज के पंचों ने यहां खुशनुमा वातावरण में भगवान की बिनोली निकाली। तत्पश्चात सामूहिक सहभोज का आयोजन भी हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में माली समाज के लोगों ने भाग लिया। सनद रहे कि बरूखेड़ा में आयोजित सम्मेलन में प्रथम जोड़े के रूप में भगवान सालगराम जी व माता तुलसा जी का विवाह सम्पन्न हुआ था। जिसमें भगवान सालगराम जी की बारात टीलाखेड़ा पिपलियामंडी स्थित राधाकृष्ण मंदिर से बरूखेड़ा गई थी। जिसकी सर्वाधिक बोली एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए की टीलाखेड़ा निवासी माली मनोहर महामाया द्वारा लगाई गई थी और करीबन दो दर्जन से अधिक गाड़ियों के काफिले के साथ धूमधाम से गाजे बाजे के संग बारात लेकर सम्मेलन में पहुंचे थे। जबकि बरुखेड़ा में माता तुलसा जी के विवाह की सबसे ऊंची बोली 4 लाख 21 हजार रुपए की समाजबन्धु बरुखेड़ा निवासी राधेश्याम जी डोड माया महल वालों ने लगाकर धर्मलाभ प्राप्त किया। जहां विवाह के बाद टीलाखेड़ा माली समाज द्वारा यहां भगवान के विवाह उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान राधाकृष्ण मंदिर टीलाखेड़ा से भगवान सालगराम जी व माता तुलसा जी की बिनौली निकाली गई। जिसमें समाज की माताएं,बहनों,युवाओं व पुरुषों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर सभी समाजजन नाचते, गाते और खुशियां मनाते देखे गए। दिन में बिनौली माली धर्मशाला पहुंची, जहां भगवान सालगराम जी व माता तुलसा जी का स्टेज प्रोग्राम रखा गया।

इस प्रसंग पर टीलाखेड़ा माली समाज के पंचों द्वारा 17 वा सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ ही चौखरा पंचायत समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों का साफा बांधकर, दुपट्टे और पुष्पमाला पहनाकर स्वागत, सम्मान किया गया। इस मौके पर सभी को युग पुरुष महात्मा ज्योति बा फूले की तस्वीर भेंट की गई। कार्यक्रम में चोखरा पंचायत समिति के अध्यक्ष मुकेश जादव, उपाध्यक्ष दिलीप दायमा,सचिव गोवर्धन दय्या,कोषाध्यक्ष मुकेश गहलोत,सहसचिव बोतलाल गहलोत,संगठन मंत्री लक्ष्मीनारायण गहलोत,नगर परिषद पिपलियामंडी अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया, पार्षद बलराम सोलंकी,माया महावर,जावरा पार्षद प्रतिनिधि चंद्रप्रकाश सोलंकी, अरनियामाली सरपंच प्रतिनिधि कैलाश सोनगरा, विवाह समिति अध्यक्ष बालमुकुंद रावलिया,कोषाध्यक्ष सरपंच प्रतिनिधि मांगीलाल डोड,पूर्व चोखरा पंचायत अध्यक्ष कचरमल राठौर, राधेश्याम डोड,दिलीप देवड़ा,माली मनोहर महामाया रावलिया,गंगाराम जादव ,शांतिलाल जादव,सोहन राठौर,परसराम जादव,नरेंद्र राठौर,देवेंद्र उनियारा,रमेश उनियारा,बाबूलाल उनियारा,श्यामलाल राठौर,किशोर माहवर,उमेश महावर,महेश देवड़ा,राजेंद्र उनियारा,गोपाल धनोतिया,विशाल देवड़ा,कारू लाल जादव,महेश जादव,जगदीश हारोड़,दयाराम टांक,गोपाल टांक,सागरमल जादव, लाला राठौर,मदन हारोड़,भेरूलाल जादव सहित बड़ी संख्या में माताएं, बहनें उपस्थित रही। संचालन भूपेन्द्र महावर ने किया।

सुरक्षा को लेकर रेलवे स्टेशनों का जिला प्रशासन के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

सागर वर्तमान हालातो को देखते हुए कलेक्टर से संदीप जी आर के निर्देश पर अपर कलेक्टर श्री रुपेश उपाध्यक्ष संयुक्त कलेक्टर श्रीमती आरती यादव ने सागर रेलवे स्टेशन पहुंचकर सुरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण किया एवं आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने बताया कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए सागर जिले में सभी सुरक्षा के प्रबंध रहे इसके मध्य नजर सभी रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली जा रही है एवं उनका अद्यतन भी किया जा रहा है। आज सागर रेलवे स्टेशन पर अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्यक्ष एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमति आरती यादव एवं बीना स्टेशन पर तहसीलदार श्री अंबर पंथी सहित अन्य स्टेशनों पर राजस्व अधिकारियों ने निरीक्षण किया एवं रेलवे के अधिकारियों से चर्चा कर व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। सागर रेलवे स्टेशन सहित सभी स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में पाए गए एवं उसकी रिकॉर्डिंग भी देखी गई।

सिविल डिफेंस प्लान एवं शासन से जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करायें - मुख्य सचिव

सीधी देश की वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी जिलों में सिविल डिफेंस प्लान एवं शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। सिविल डिफेंस कार्यक्रम व्यवस्थित करें तथा सजगता और सतर्कता बरतें। मुख्य सचिव ने आपदा प्रबंधन की सभी तैयारियाँ दुरूस्त रखते हुए वर्नलेवल क्षेत्रों का चिन्हांकन कर कार्ययोजनानुसार व्यवस्थायें करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में सायरन की व्यवस्था हो ताकि आपात स्थिति में सायरन सभी को सुनाई दे। आपदा प्रबंधन की तैयारियों की संभागीय समीक्षा प्रतिदिवस की जायेगी। मुख्य सचिव ने सिविल डिफेंस अधिनियम के तहत नागरिक सुरक्षा हेतु स्वयंसेवकों के नामांकन भर्ती के निर्देश देते हुए कहा कि उनका प्रारंभिक प्रशिक्षण करायें ताकि आपदा प्रबंधन के समय इनकी उपयोगिता व भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत से 2 स्वयंसेवकों व प्रत्येक नगरीय निकाय वार्डो से 2 से 5 सिविल डिफेंस वालेंटियर्स बनाये जांय। इनमें भूतपूर्व सैनिकों, सीनियर एनसीसी के सदस्य, एनएसएस के सदस्य व निजी सुरक्षा एजेंसियों के लोगों को प्राथमिकता दी जाय ।एन.आई.सी. में आयोजित वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आर पी त्रिपाठी, चुरहट शैलष द्विवेदी, उप पुलिस अधीक्षक गायत्री तिवारी, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी आशुतोष द्विवेदी, रोशनी ठाकुर, जिला होमगार्ड कमांडेंट सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री संदीप जी आर के नवाचार से कलेक्ट्रेट के आंचल कक्ष में बच्चों की गूंजेगी किलकारी

सागर कलेक्टर श्री संदीप जी आर सागर जिले में लगातार नव प्रयोग करते हुए जिले वासियों को सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं इसी परिपेक्ष में कलेक्ट्रेट कार्यालय के भूतल पर जनसुनवाई में आने वाली महिला आवेदकों एवं कार्यरत महिला अधिकारियों, कर्मचारियों के बच्चों की खुशहाली के लिए कलेक्ट्रेट में सुसज्जित आंचल कक्ष का संचालन आरंभ किया है। इस आंचल कक्ष में माताओं की गोद मे खेलने वाले बच्चे उनकी व्यस्तता के दौरान यहां यशोदा मैया के साथ खेल खेल में अपना समय व्यतीत करेंगे और उनकी माताएं अपना दायित्व बेहिचक निर्वाह कर जिले वासियों को प्रशासनिक सुविधा उपलब्ध करती रहेगी। इस सुविधा से प्रशासनिक कार्य प्रभावित भी नहीं होगा। यहां आगंतुक बच्चों की माताएं निर्बाध रूप से अपने नौनिहाल को स्तनपान भी करा सकेगी। इस कक्ष में बाल खेल सामग्री के साथ साथ आकर्षक बाल शिक्षा पेंटिंग भी प्रदर्शित की गई है। इस कक्ष में बच्चों की देखभाल के लिए यशोदा मैया के रूप में एक महिला कर्मचारी भी तैनात रहेगी। कलेक्टर के इस नवाचार से कलेक्ट्रेट में पदस्थ महिला अधिकारी कर्मचारियों के साथ साथ यहां गोद में बच्चों को लेकर आने वाली मैदानी महिला कर्मियों एवं विभिन्न महिला आवेदक जो छोटे बच्चों को लेकर आती हैं उन्हें जो सुविधा मिलेगी और वह अपना कार्य आसानी से कर सकेगी।

शाहरुख खान की स्पाई यूनिवर्स फिल्म Pathaan 2-Lakadbaggha 3 की शूटिंग होगी एक जगह

हाल ही में शाहरुख खान की मेट गाला 2025 में मौजूदगी उनके फैंस के दिलों को छू गई, तो वही कुछ लोगों ने उनके लुक की आलोचना भी की, लेकिन बादशाह तो बादशाह होता है, जहां भी जाता है सभी के दिलों को जीत लेता है। ऐसा ही मैजिक हर बार किंग खान के साथ भी होता है। इसी बीच एसआरके की फिल्म पठान 2 और लकड़बग्घा 3 की शूटिंग को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, पठान 2 और लकड़बग्घा 3 की शूटिंग एक ही जगह पर हो सकती है। जानिए कहां...

कब और कहां शुरू होगी पठान 2 और लकड़बग्घा 3 की शूटिंग

पिंकविला की एक खबर के मुताबिक, शाहरुख खान की फिल्म पठान 2 की शूटिंग अगले साल चिली में होने की योजना है। साल 2023 में रिलीज हुई शाहरुख खान की फिल्म पठान ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की थी, जिसके बाद इसके सीक्वल की घोषणा हुई। यह फिल्म यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) के स्पाई यूनिवर्स की हिस्सा है। वहीं, फिल्म निर्माता-अभिनेता अंशुमान झा ने हाल ही में चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट और संस्कृति मंत्री कैरोलिना अरेडोन्डो से मुलाकात की। इस दौरान चिली में फिल्मों की शूटिंग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। झा ने बताया कि Pathaan 2 और उनकी फिल्म Lakadbaggha 3 की शूटिंग चिली में हो सकती है। उनका कहना है कि इससे चिली की खूबसूरती को दुनिया के सामने लाने में मदद मिलेगी।

पठान 2

पठान 2 वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की आठवीं फिल्म होगी और यह टाइगर बनाम पठान से पहले आएगी। शाहरुख खान और निर्माता आदित्य चोपड़ा ने पठान को एक अलग फ्रैंचाइजी बनाने का फैसला किया है। इसके अलावा, अनिल कपूर ने वाईआरएफ के साथ कई फिल्मों का करार किया है और वे स्पाई यूनिवर्स की सभी फिल्मों में नजर आएंगे। उनकी शुरुआत वॉर 2 से होगी, फिर अल्फा और आखिर में पठान 2 आएगी। पठान 2 में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में होंगे और यह फिल्म टाइगर बनाम पठान की कहानी की नींव रखेगी।

पाकिस्तानी यूजर ने किया अनफॉलो तो भुवन बाम ने दिया करारा जवाब, इंडियन यूजर्स बोले, 'एक दिल हैं'

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कई पाकिस्तानी लोग भारतीय इंफ्लुएंसर को अनफॉलो कर रहे हैं। इस लिस्ट में अब भुवन बाम का नाम भी शामिल हो गया। भुवन को एक पाकिस्तानी यूजर ने अनफॉलो करने की बात कही तो इंफ्लुएंसर ने उसे करारा जवाब दिया। इसके बाद से ही भुवन की सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हो रही है।

भुवन को एक पाकिस्तानी फॉलोअर ने किया मैसेज एक पाकिस्तानी फॉलोअर ने भुवन बाम को इंस्टाग्राम पर मैसेज किया, 'सॉरी भुवन भैया, अनफॉलो।' इस शख्स के प्रोफाइल पर पाकिस्तानी झंडा लगा था। इस पाकिस्तानी फॉलोअर को भुवन बाम ने भी जवाब दिया। वह लिखते हैं, 'भाई, अपने देश के साथ खड़े रहने पर अगर फॉलोअर्स कम होते हैं, तो ऐसा ही सही।' इस बात के जरिए भुवन ने साबित कर दिया कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता है कि पाकिस्तानी लोग उन्हें अनफॉलो कर रहे हैं।

इंडियन यूजर्स ने दिए रिएक्शन भुवन बाम का जब यह मैसेज वायरल हुआ तो इंडियन यूजर्स ने उनकी खूब तारीफ की। कई यूजर्स ने कहा, 'ये डिजिटल देशभक्ति है।' वहीं कई यूजर्स ने लिखा है, ' भुवन, एक ही दिल है कितनी बार जीतोगे।' इस तरह के कई कमेंट्स इंडियन यूजर्स भुवन बाम को लेकर किए।

कौन है भुवन बाम भुवन बाम ने यूट्यूब के जरिए अपना करियर शुरू किया, वह इस प्लेटफॉर्म पर फनी वीडियो बनाते थे। अब बतौर एक्टर वेब सीरीज में काम कर रहे हैं। 'ढिंढोरा' और 'ताजा खबर' जैसी सीरीज की हैं। इन सीरीज में भुवन ने लीड रोल निभाए हैं। वह अपना टॉक शो भी चलाते थे, जिसमें शाहरुख खान, एसएस राजामौली, जूनियर एनटीआर और राम चरण जैसे सेलिब्रिटी बतौर गेस्ट नजर आ चुके हैं।

एम्बर हर्ड ने दिया जुड़वा बच्चों को जन्म, जॉनी डेप से तलाक को लेकर बटोरी सुर्खियां

एक्वामैन अभिनेत्री एम्बर हर्ड ने 'मदर्स डे 2025' पर अपने जुड़वा बच्चों के जन्म की घोषणा की। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2024 में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए इसकी जानकारी दी।

जुड़वा बच्चों को दिया जन्म

एम्बर हर्ड ने 11 मई, 2025 को अपने इंस्टाग्राम दिल छू लेने वाली खबर का खुलासा किया, जहां उन्होंने जहां उन्होंने अपने तीनों बच्चों के पैरों की एक तस्वीर साझा की और कैप्शन में एक भावुक नोट लिखा। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'मदर्स डे 2025 एक ऐसा दिन होगा जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी। आज मैं आधिकारिक तौर पर यह खबर साझा करती हूं कि मैंने हर्ड गैंग में जुड़वा बच्चों का स्वागत किया है। मेरी बेटी एग्नेस और मेरा बेटा ओसियन मेरे हाथों और मेरे दिल को भरा रखते हैं।'

एम्बर हर्ड ने प्रजनन संबंधी चुनौतियों का किया खुलासा

अभिनेत्री एम्बर हर्ड ने प्रजनन संबंधी चुनौतियों का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा, 'जब चार साल पहले मेरी पहली बच्ची ऊनाघ का जन्म हुआ, तो मेरी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई। मुझे लगा कि मैं इससे ज्यादा खुशी से नहीं झूम सकती। खैर, अब मैं तीन गुना खुश हूं. अपनी खुद की प्रजनन चुनौतियों के बावजूद खुद से और अपनी शर्तों पर मां बनना मेरे जीवन का सबसे विनम्र अनुभव रहा है।'

'मैं हमेशा आभारी हूं कि मैं इसे जिम्मेदारी से और सोच-समझकर चुनने में सक्षम थी। सभी माताओं के लिए, आप आज जहां भी हैं और आप यहां कैसे भी आए हैं, मेरा सपनों का परिवार और मैं आपके साथ जश्न मना रहे हैं। हमेशा प्यार।'

क्यों रहीं चर्चा में?

एम्बर हर्ड का नाम साल 2022 में दुनिया भर में सुर्खियों में रहा। अभिनेता जॉनी डेप से तलाक के चलते उन्होंने खूब चर्चा बटोरी। साल 2015 में दोनों ने शादी कीस जो दो साल भी नहीं चली। 2022 में दोनों के बीच कानूनी लड़ाई हुई।

सामंथा ने अपने मुश्किल वक्त को किया याद

बोलीं- 'मुझमें नहीं थी आगे बढ़ने की हिम्मत'

सामंथा रुथ प्रभु एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ-साथ अपनी बातों को खुलकर रखने के लिए भी जानी जाती हैं। वो अपने तलाक से लेकर अपने स्वास्थ्य तक पर खुलकर बोलती हैं। अब अभिनत्री ने अपने उन दिनों को याद किया जब कुछ भी उनके पक्ष में नहीं जा रहा था और वो काफी परेशान थीं। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें सबसे बुरे ख्याल आते थे। फिर कैसे उन्होंने इस पर काबू पाया और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला, इसके बारे में भी उन्होंने बात की।

'एक साल काफी कठिन था'

हाल ही में गलाटा प्लस के साथ बातचीत में सामंथा ने अपने परेशान करने वाले दौर का जिक्र किया। अभिनेत्री ने कहा, मुझे याद है कि एक बार मैं वाकई में उस मोड़ पर पहुंच गई थी, जहां मैंने सोचा था कि बस मैं अब और नहीं कर सकती। मेरे मन में सबसे बुरे विचार आए। जाहिर है कि मुझमें आगे बढ़ने और ऐसा करने की हिम्मत नहीं थी। यह एक साल तक कठिन था। ऐसा कुछ भी नहीं था जो काम कर रहा था, कोई जवाब नहीं दिया जा रहा था।

'मुझे मुश्किलों ने बहुत कुछ सिखाया' सामंथा ने इन विचारों पर काम न करने और उनसे निपटने के लिए क्या किया और कैसे इनसे पीछा छुटाया, इसको लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, मैंने स्पष्ट रूप से हिम्मत नहीं हारी, क्योंकि इन विचारों पर काम करने के लिए आपके पास बहुत हिम्मत होनी चाहिए। इसलिए मैंने सोचा मुझे किसी तरह इस सबसे बचने का तरीका ढूंढना होगा। साथ ही अपने जीवन में और चीजों के बारे में सोचना शुरू करना होगा। अब, जब लोग कहते हैं कि वे कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो मैं वास्तव में उन्हें इससे गुजरने के लिए कहती हूं। इससे हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। मुझे मेरी सफलता ने नहीं है, बल्कि मेरी असफलताओं और कठिनाइयों ने सिखाया है।

सामंथा के प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म हुई रिलीज

वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा रूथ प्रभु को आखिरी बार निर्देशक राज और डीके की 'सिटाडेल- हनी बनी' में देखा गया था। इसमें उनके साथ वरुण धवन प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। वह अब 'रक्त ब्रह्मांड' और तेलुगु फिल्म 'बंगारम' पर काम कर रही हैं। सामंथा ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत पहली फिल्म 'सुभम' बनाई है। इसमें उन्होंने एक कैमियो भी किया है।

नीरज चोपड़ा समेत चार भारतीय एथलीट्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 16 मई को दोहा में होने वाली प्रतिष्ठित डायमंड लीग मीटिंग में तीन अन्य भारतीय एथलीट्स के साथ हिस्सा लेंगे। यह पहली बार होगा जब डायमंड लीग के किसी एक इवेंट में भारत की तरफ से चार एथलीट्स भाग लेंगे। नीरज चोपड़ा 2023 में दोहा डायमंड लीग का खिताब जीत चुके हैं, जहां उन्होंने 88.67 मीटर भाला फेंका था। वहीं, 2024 में वह 88.36 मीटर की थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। इस बार भी उनसे गोल्डन थ्रो की उम्मीद की जा रही है।

नीरज के साथ पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में किशोर जेना भी नजर आएंगे। जेना ने 2024 में भी हिस्सा लिया था और 76.31 मीटर की थ्रो के साथ नौवें स्थान पर रहे थे। इस बार वह अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिश करेंगे।

अन्य दो भारतीय एथलीट्स का ट्रैक पर होगा दमदार प्रदर्शन इस बार ट्रैक इवेंट्स में भी भारत की दमदार मौजूदगी देखने को मिलेगी। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर सिंह अपना डायमंड लीग डेब्यू करने जा रहे हैं। वहीं, महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में पारुल चौधरी उतरेंगी, जो इस इवेंट की भारतीय रिकॉर्डधारक हैं। नीरज और जेना को इस बार सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। मैदान में दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा), 2024 के विजेता याकुब वाडलेच (चेक गणराज्य), जूलियन वेबर और मैक्स डेनिंग (जर्मनी), जूलियस येगो (केन्या) और रोडरिक डीन (जापान) जैसे दिग्गज होंगे।

आईएसएसएफ शॉटगन वर्ल्ड कप 2025: किन्नन चेनाई-सबीरा हारिस ने ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में जीता कांस्य

नई दिल्ली। ओलंपियन किन्नन चेनाई और 18 वर्षीय सबीरा हारिस की जोड़ी ने साइप्रस के निकोसिया में आयोजित आईएसएसएफ शॉटगन वर्ल्ड कप 2025 में ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया।

तुर्की को दी कांटे की टक्कर कांस्य पदक मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने तुर्की की टीम — टोल्गा टंसर और रुमेया काया — को 34-33 के करीबी अंतर से हराया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में भारत ने 142 अंक बनाए थे और चीनी ताइपे की टीम (वान-यू लियू और कुन-पी यांग) को शूट-ऑफ में 4-2 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल मैच में प्रवेश किया।

सबीरा का शानदार प्रदर्शन 18 वर्षीय सबीरा हारिस ने क्वालिफिकेशन में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 75 में से 72 शॉट्स लगाए, जबकि 34 वर्षीय अनुभवी किन्नन चेनाई ने 70 शॉट्स पूरे किए। सबीरा इससे पहले भी जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में शार्दूल विहान के साथ मिक्स्ड ट्रैप इवेंट में मेडल जीत चुकी हैं।

गोल्ड मुकाबले से चूकी तुर्की की टीम दिलचस्प बात यह रही कि तुर्की की टीम गोल्ड मेडल मुकाबले में जगह बनाने से भी चूक गई। वे दूसरे स्थान पर रही चीन की जोड़ी झांग जिक्सी और क्वी यिंग से शूट-ऑफ में 1-2 से हार गए, जबकि पोलैंड की टीम ने 146 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया।

दूसरे भारतीय दल का औसत प्रदर्शन भारत की दूसरी टीम जिसमें शार्दूल विहान (72) और कीर्ति गुप्ता (65) शामिल थे, ने कुल 137 अंक बनाए और 34 टीमों में 17वें स्थान पर रही।

गिल या पंत में से चुना जाएगा नया टेस्ट कप्तान ? बुमराह रेस से बाहर

रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास के बाद इस प्रारूप में टीम इंडिया के नए कप्तान को लेकर जद्दोजहद जारी है। भारत को अगले महीने से इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे पहले बीसीसीआई को टीम का चयन करना है। हालांकि, नया कप्तान कौन बनेगा इसको लेकर अभी तक कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। इस रेस में जसप्रीत बुमराह और शुभमन गिल के रूप में दो खिलाड़ी थे, लेकिन स्काई स्पोर्ट्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह ने कथित तौर पर अगले टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ से खुद को बाहर कर लिया है। अब यह रेस गिल और ऋषभ पंत के बीच है।

बुमराह को टेस्ट कप्तान की भूमिका के प्रबल दावेदार के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि उन्होंने चयनकर्ताओं को सूचित कर दिया है कि वह वर्कलोड की वजह से पांच मैचों की लंबी टेस्ट सीरीज के सभी मैच खेलने की गारंटी नहीं दे सकते। ऐसे में अब यह बात सामने आ रही है कि चयनकर्ता किसी ऐसे व्यक्ति को प्राथमिकता देंगे जो पूरी सीरीज में लगातार खेल सके।

बुमराह के दौड़ से बाहर होने के बाद चयनकर्ता कप्तानी के लिए गिल और पंत में से किसी एक को चुन सकते हैं। जिस भी खिलाड़ी को कप्तान के रूप में नहीं चुना जाता है, उसे उप-कप्तान नामित किए जाने की उम्मीद है। इंग्लैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम की आधिकारिक घोषणा 24 मई तक होने की उम्मीद है।स्काई स्पोर्ट्स न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि विराट कोहली ने आगामी इंग्लैंड सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले के बारे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित कर दिया है। बीसीसीआई ने इसको लेकर कोई सार्वजनिक बयान तो जारी नहीं किया है, लेकिन स्काई स्पोर्ट्स न्यूज के मुताबिक, उन्होंने इस रिपोर्ट का खंडन भी नहीं किया है। पता चला है कि कोहली ने अप्रैल में ही मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को बता दिया था कि वह जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप शुरू होने से पहले टेस्ट से संन्यास लेना चाहते हैं। अगरकर और बीसीसीआई के एक अन्य अधिकारी फिर से कोहली से मिलने की योजना बना रहे थे, लेकिन भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण यह बैठक फिलहाल अनिश्चित है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि बीसीसीआई ने कोहली से पुनर्विचार करने को कहा है। हालांकि, कोहली ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

अमेरिका में दवाएं होंगी सस्ती, ट्रंप का नागरिकों से वादा

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में दवाएं 30 प्रतिशत तक सस्ती होने जा रही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रिस्क्रिप्टिड और फार्मा प्रोडक्ट्स की कीमतें कम करने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। ट्रंप ने रविवार को अपने फैसले से देशवासियों को अवगत कराया है। सीबीएस न्यूज चैनल के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना इरादा ट्रुथ सोशल पर जताया है। उन्होंने कहा कि वह इस आशय के कार्यकारी आदेश पर सोमवार को हस्ताक्षर करेंगे । इसके बाद दवाइयों की कीमतें तुरंत कम कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि कई सालों से देख रहा हूं कि संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रिस्क्रिप्टिड ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स के दाम अन्य देश की तुलना में काफी ज्यादा हैं, लेकिन क्यों हैं, यह आज तक समझ नहीं पाया। उन्होंने कहा कि कभी-कभी तो एक कंपनी की प्रयोगशाला या प्लांट में निर्मित

एक दवा अन्य कंपनियों की दवा की तुलना में पांच से 10 गुना ज्यादा महंगी होती हैं। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर विस्तार से बात की है। उन्होंने लिखा कि फार्मा कंपनियां रिसर्च और निर्माण लागत को दवाइयों की ऊंची कीमतों का कारण बता रही हैं। वह दवाइयां सस्ती करने का आदेश जारी करेंगे। कार्यकारी आदेश यूएस स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग को मेडिकेयर को निर्देश देगा कि वह डॉक्टर के कार्यालय में दी जाने वाली दवाओं के लिए भुगतान की जाने वाली राशि को अन्य देशों को भुगतान की जाने वाली न्यूनतम कीमत से जोड़े। राष्ट्रपति का मानना है कि यह सबसे पसंदीदा राष्ट्र नीति होगी। इससे देश के नागरिकों की स्वास्थ्य सेवा लागत में कमी आएगी। ट्रंप प्रशासन के स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने पिछले मंगलवार को ऐसी नीति का संकेत दिया था, जिसमें ब्लॉकबस्टर मधुमेह की दवा ओजेम्पिक के लिए यूरोप की उच्च कीमतों की ओर इशारा किया गया था। कैनेडी ने कहा था कि हम दवा कंपनियों के साथ इस पर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे मधुमेह ही नहीं कैंसर के उपचार में इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं भी सस्ती होंगी। ट्रंप ने दावा किया कि इस योजना से सरकार को खरबों डॉलर की बचत होगी। उल्लेखनीय है कि मेडिकेयर लगभग 70 मिलियन वृद्ध अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान करता है। अमेरिका में दवाओं की कीमतें अन्य बड़े और धनी देशों की तुलना में भी बहुत अधिक हैं।

नेपाल में राजतंत्र के पक्ष में अनिश्चितकालीन आंदोलन को 40 से अधिक संगठनों का समर्थन

काठमांडू। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) के नेतृत्व में राजतंत्र की पुनर्स्थापना की मांग को लेकर 29 मई से शुरू होने जा रहे काठमांडू केन्द्रित अनिश्चितकालीन आंदोलन को 40 से अधिक संगठनों का समर्थन मिला है। काठमांडू में आयोजित बैठक में राप्रपा के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन के नेतृत्व में संयुक्त जनआंदोलन समिति ने घोषणा की कि 40 से अधिक संस्थाओं ने अपना पूर्ण समर्थन जताते हुए इसमें सहभागी होने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। बैठक के दौरान लिंगदेन ने कहा कि इस बार का अनिश्चितकालीन आंदोलन राजशाही की पुनर्स्थापना के बिना खत्म नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि जिस दिन नेपाल का नया संविधान जारी हुआ, जिस दिन नेपाल में राजतंत्र की समाप्ति की औपचारिक घोषणा की गई और जिस दिन नेपाल को गणतंत्र देश घोषित किया गया उसी दिन से राजशाही की पुनर्स्थापना के लिए अनिश्चितकालीन आंदोलन की शुरुआत की जा रही है। राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि इस बार के आंदोलन में काठमांडू से बाहर की

भी जनता से इस आंदोलन में सहभागी होने का आह्वान किया गया है। राजशाही की मांग रख कर अपनी राजनीति करने वाले कमल थापा ने भी इसमें सहभागी होने की घोषणा की है। कभी राप्रपा के वर्षों तक राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे और बाद में अपना अलग राजनीतिक दल बनाने वाले पूर्व उप प्रधानमंत्री थापा भी काठमांडू में आयोजित बैठक में सहभागी हुए और इस आंदोलन में अपना पूर्ण समर्थन होने की घोषणा की है। इसके अलावा पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह द्वारा गठित की गई संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक नवराज सुवेदी ने भी इसे अपना समर्थन दिया है। इसके अलावा विश्व हिन्दू महासंघ, शिव सेना नेपाल, हिन्दू सम्राट सेना, ओमकार परिवार, सनातन परिवार नेपाल आदि संस्थाओं ने आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया है।

श्रीलंका में बस हादसा, 22 बौद्धों की मौत, राहत और बचाव अभियान तेज किया गया

कोलंबो, । श्रीलंका में कल सुबह हुई बस दुर्घटना में कम से कम 22 बौद्धों की मौत हो गई। यह हादसा गारडीला क्षेत्र के रामबोडा में फॉल्स के पास हुआ। यह सरकारी बस है। बस चट्टान से टकरा कर 100 फीट नीचे खाई में पलट गई। बस कटारगामा से कुरुनेगला तक चलती है। दुर्घटनास्थल पर आपातकालीन निकासी के लिए हेलीकॉप्टर को स्टैंडबाय पर रखा गया है। सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज किया है। इस हादसे में 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में 16 पुरुष और छह महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, बस में 60-70 यात्री सवार थे। घायलों को कोटमाले, गमपोला, नवलपिटिया और नुवारा एलिया अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है। बस में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए बचाव अभियान जारी है। रक्षा मंत्रालय के सचिव के निर्देशों के तहत श्रीलंका वायु सेना ने रत्मालाना हवाई अड्डे पर दो बेल 412 हेलीकॉप्टरों को स्टैंडबाय पर रखा है, ताकि जरूरत पड़ने पर आपातकालीन निकासी में मदद मिल सके। इस त्रासदी के जवाब में, सरकार ने घोषणा की है कि दुर्घटना के प्रत्येक पीड़ित के परिवारों को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। इस निर्णय की पुष्टि परिवहन उपमंत्री डॉ. प्रसन्ना गुनासेना ने की। कोटमाले पुलिस घटना की जांच कर रही है।

बदलेगी ट्रंप की सवारी, कतर से मिलेगा उपहार में हवाई महल बोइंग 747-8 जंबो जेट

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही एयर फोर्स वन के स्थान पर बोइंग 747-8 जंबो जेट से सवारी करते नजर आएंगे। बोइंग 747-8 जंबो जेट कतर का है। कतर का शाही परिवार उन्हें उपहार के रूप में बोइंग 747-8 जंबो जेट भेंट करने जा रहा है। यह बेहद मूल्यवान और आलीशान विमान है। इसे हवाई महल और उड़ता हुआ महल भी कहा जाता है। एबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है अमेरिकी सरकार के लिए अब तक का सबसे बड़ा विदेशी उपहार होगा।ट्रंप प्रशासन कतर के शाही परिवार से इसे स्वीकार करने की तैयारी कर रहा है। एक ऐसा उपहार होगा जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद छोड़ने से कुछ समय पहले नए एयर फोर्स वन के रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध होगा। उस समय विमान का स्वामित्व ट्रंप प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी फाउंडेशन को हस्तांतरित किया जाएगा। सोशल मीडिया पर रविवार रात

एक पोस्ट में ट्रंप ने पुष्टि की कि उनका प्रशासन विमान को स्वीकार करने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने इसे रक्षा विभाग के साथ बहुत ही सार्वजनिक और पारदर्शी लेनदेन बताया। ट्रंप फरवरी में इस विमान का अवलोकन कर चुके हैं। यह इतना इतना भव्य और सुसज्जित है कि इसे हवाई महला और उड़ता हुआ महल कहा जाता है। इसे फरवरी में वेस्ट पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पार्क किया गया था। ट्रंप तभी इसे देखा था। इस उपहार को स्वीकार करने पर उठे सवालों पर न्याय विभाग के वकीलों ने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ का बताया है कि रक्षा विभाग के लिए विमान को उपहार के रूप में स्वीकार करना और बाद में इसे ट्रंप लाइब्रेरी को सौंपना वैध है। यह रिश्वतखोरी के विरुद्ध कानूनों या किसी भी अमेरिकी सरकारी अधिकारी के किसी भी राजा, राजकुमार या विदेशी राज्य से उपहार स्वीकार करने के संविधान के निषेध (वेतन खंड) का उल्लंघन नहीं करता है।

सर्राफा बाजार में बड़ी गिरावट, 1,800 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

चांदी के भाव में भी आई 1,100 रुपये तक की कमजोरी

नई दिल्ली, घरेलू सर्राफा बाजार में आज जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। आज के कारोबार में सोना 1,650 रुपये से लेकर 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 96,880 रुपये से लेकर 97,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 88,800 रुपये से लेकर 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा

है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 96,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 96,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 88,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 96,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 88,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 96,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 96,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 88,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 96,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 88,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में ही निवेशकों को 10.59 लाख करोड़ का फायदा, 176 शेयरों पर लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान सीमा पर हुए सीजफायर के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान रौनक बनी हुई है। बाजार में जबरदस्त उत्साह का माहौल बना हुआ है, जिसके कारण बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग तीन प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की जा चुकी है?। बाजार खुलते ही आज खरीदारी का इतना जोरदार रुझान बना कि शुरुआती कुछ मिनट में ही स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 10.59 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। शुरुआती कारोबार में निफ्टी के फार्मास्यूटिकल इंडेक्स को छोड़ कर शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। फार्मास्यूटिकल इंडेक्स फिलहाल उतार-चढ़ाव के बीच सपाट स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह मिडकैप और स्मॉल कैप शेयरों में भी आज जोरदार खरीदारी होती हुई नजर आ

रही है। बाजार की तेजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कारोबार शुरू होने के कुछ देर बाद ही बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपीटलाइजेशन बढ़ कर 427 लाख करोड़ रुपये हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को इन कंपनियों का मार्केट केपीटलाइजेशन 416.41 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) था। इस तरह बाजार खुलते ही निवेशकों की संपत्ति में करीब 10.59 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में शामिल शेयरों में से सन फार्मास्यूटिकल्स और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। इसके अलावा इन दोनों सूचकांक में शामिल शेष सभी शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। फिलहाल बीएसई पर 2,933 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही है। इनमें से 2,584 शेयर मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 256 शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। वहीं 93 शेयर के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा है। अभी तक के कारोबार में 42 शेयर पिछले 1 साल के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच कर कारोबार कर रहे हैं, वहीं 21 शेयर पिछले 1 साल के सबसे निचले स्तर पर तक गिर गए हैं। बाजार में जारी खरीद बिक्री के बीच 176 शेयर लिवाली के सपोर्ट से अपर सर्किट पर पहुंचे हुए हैं, वहीं 52 शेयर बिकवाली के दबाव की वजह से लोअर सर्किट पर आ गए हैं।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। हालांकि अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सपाट स्तर पर बंद हुए थे, लेकिन डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज जोरदार मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी का रुख बना हुआ था। एशियाई बाजारों में भी आज आमतौर पर तेजी का माहौल नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों की फ्लैट क्लोजिंग हुई। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,659.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक ने 0.78 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 17,928.92 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 462.98 अंक यानी 1.12 प्रतिशत उछल कर 41,712.36 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह नैस्डेक फ्यूचर्स भी फिलहाल 2 प्रतिशत से ऊपर पहुंचा हुआ है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,554.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,743.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 146.63 अंक यानी 0.62 प्रतिशत उछल कर 23,499.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। सिंगापुर, थाईलैंड और इंडोनेशिया के स्टॉक मार्केट में छुट्टी होने की वजह से स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स, सेट कंपोजिट इंडेक्स और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में आज कोई हलचल नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 131-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569